RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 35 ● भिलाई, बुधवार 06 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

महावतार नरसिम्हा की स्क्रीनिंग के दौरान सिनेमाघर की छत गिरी, बच्चों समेत 3 घायल

गुवाहाटी। अश्विन कुमार के निर्देशन में बनी एनिमेशन फिल्म महावतार नरसिम्हा पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 10 दिन पूरे हो गए हैं और इसने बॉक्स ऑफिस पर 91.35 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। अब असम के गुवाहाटी शहर से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, पीवीआर में महावतार नरसिम्हा की स्क्रीनिंग के दौरान अचानक दर्शकों पर सिनेमाघर की छत गिर गई। महावतार नरसिम्हा की स्क्रीनिंग के दौरान सिनेमाघर की छत गिरने से बच्चों समेत 3 लोग घायल हो गए हैं, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब सोशल मीडिया पर सिनेमाघर के कई चौंकाने वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें दर्शकों में मची अफरातफरी साफ देखी जा सकती है।

भाषा विवाद में सीएम ममता को मिला सीएम स्टालिन का साथ

कोलकाता। देश भर में कथित तौर पर बांग्ला भाषियों के उत्पीड़न का मामला तूल पकड़ रहा है। अब सीएम ममता को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का साथ भी मिल गया। ऐसे में कथित बांग्लादेशी भाषा विवाद में स्टालिन सीएम ममता बनर्जी के साथ खड़े हुए हैं। आज तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी के प्रमुख ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। इसमें स्टालिन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के लहजे में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन दिल्ली पुलिस पर हमला बोला। उन्होंने कहा, आदरणीय ममता बनर्जी दीदी गैर-हिंदी भाषा पर हमले के जवाब में पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए ढाल बनकर खड़ी हुई हैं। करुणानिधि के बेटे ने भी कहा कि ममता भाषा पर इस हमले का करारा जवाब देंगी।

एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट में कॉकरोच से परेशान हुए यात्री, बदलनी पड़ी सीट

नईदिल्ली। एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट में दो यात्री कॉकरोच से परेशान हो गए। सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जाने वाली फ्लाइट में दोनों यात्रियों को अपनी सीट भी बदलनी पड़ी। हालांकि, कोलकाता में विमान को अच्छी तरह से साफ किया गया। इसके बाद यात्रियों ने बिना किसी परेशानी के कोलकाता से मुंबई तक का सफर पूरा किया। फ्लाइट संख्या एआई180 अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से रवाना हुई थी। इसी दौरान यात्रियों को प्लेन में कॉकरोच नजर आए।

दो यात्री कॉकरोच देखकर परेशान हो गए। ऐसे में उन्हें दूसरी सीट पर बैठाया गया। जहां बैठकर उन्होंने कोलकाता तक की यात्रा की। कोलकाता में सफाई के बाद सभी यात्रियों का सफर आरामदायक रहा। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने इस घटना को लेकर व्यापक जांच करने की बात कही है, जिसमें यह भी पता लगाया जाएगा कि विमान में कॉकरोच कैसे आए।

दक्षिण चीन सागर में शांति में भारत की स्थायी रुचि है

भारत और फिलीपीन ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की-पीएम मोदी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं. उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया. प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की. इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपीन तट पर संयुक्त अभ्यास किया था. मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, ह्लभारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं. हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं. हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है.ह्व भारत और फिलीपीन ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बा' अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है. मोदी ने कहा कि फिलीपीन भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है. उन्होंने कहा, ह्लहम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था

के लिए प्रतिबद्ध हैं. हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं.ह्व मोदी ने कहा, ह्लयह खुशी की बात है कि आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है. इस साझेदारी की संभावनाओं को नतीजों में बदलने के लिए एक व्यापक कार्य योजना भी तैयार की गई है.ह्व भारत और फिलीपीन दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं. इस अवसर पर मोदी और मार्कोस ने एक डाक टिकट जारी किया. मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफलड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपीन सरकार का आभार जताया. पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान गई थी. मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक हैं. उन्होंने कहा, ह्लसमुद्र से घिरे देशों के रूप में, भारत और फिलीपीन के बीच समुद्री सहयोग स्वाभाविक और आवश्यक दोनों है. हम मानवीय सहायता, आपदा राहत, खोज एवं बचाव के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं.ह्व प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी के तहत भारत फिलीपीन में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग करेगा.

भारत और फिलीपींस के बीच हर स्तर पर सहयोग जारी

पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देशों के बीच हर स्तर पर बातचीत और सहयोग जारी है। आज दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग, क्षेत्रीय मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में भारत-फिलीपींस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने का फैसला किया गया है। इस साझेदारी को सफल बनाने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना भी बनाई गई है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 3 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसे और मजबूत करने के लिए भारत-आसियान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की समीक्षा जल्द पूरी करने और द्विपक्षीय प्रेफ्रेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट पर काम करने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के साथ वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध दिन-ब-दिन मजबूत हो रहे हैं, जो गहरे विश्वास का प्रतीक हैं। दोनों देश समुद्री राष्ट्र हैं, इसलिए समुद्री सहयोग जरूरी और स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पहली बार, भारतीय नौसेना के तीन जहाज फिलीपींस में हो रही नौसेना अभ्यास में भाग ले रहे हैं।

संजय राउत का एलान

ठाकरे गुट और मनसे स्थानीय चुनाव लड़ेंगे

मुंबई। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मंगलवार को घोषणा की कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) जरूर मिलकर महाराष्ट्र में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव लड़ेंगे। कई महीनों की अटकलों के बाद चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे जुलाई में फिर एक मंच पर आए। दोनों नेता महाराष्ट्र सरकार की पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए तीन-भाषा की नीति और कथित तौर पर हिंदी भाषा थोपे जाने के खिलाफएक साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके बाद जब सरकार

ने अपना फैसला वापस लिया, तब दोनों नेताओं ने एक साझा विजय रैली का भी आयोजन किया था। नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब राउत से पूछा गया कि क्या शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की मनसे मिलकर आगामी स्थानीय चुनाव लड़ेंगी।

संसद सत्र-क्या है इस बिल को पास करने का उद्देश्य

गोवा विधानसभा में एसटी को मिलेगा आरक्षण,लोकसभा में बिल पास; मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने बढ़ा...

नई दिल्ली। लोकसभा ने मंगलवार को गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को आरक्षण देने वाला बिल पास कर दिया। इस दौरान विपक्ष बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर चर्चा की मांग को लेकर विरोध करता रहा। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गोवा राज्य की विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक, 2025 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। हंगामे के बीच यह बिल ध्वनिमत से पास हो गया। आरक्षण को लेकर बिल में बताया गया है कि गोवा में अनुसूचित जनजातियों की आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार काफी बढ़ी है। 2011 में गोवा की कुल आबादी 14,58,545 थी, जिसमें एससी की आबादी 25,449 और एसटी की आबादी 1,49,275 थी। इसके बावजूद, 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा में एसटी समुदाय के लिए कोई भी सीट आरक्षित नहीं है, जबकि एससी के लिए एक सीट आरक्षित है। बता दें कि बिल का मकसद इस असमानता को दूर करना है ताकि एसटी समुदाय को भी संविधान में दिए गए आरक्षण का लाभ मिल सके। यह बिल

पिछले साल यानी 6 अगस्त 2024 को लोकसभा में पेश किया गया था, लेकिन अब जाकर पारित हुआ है। यह संसद के मौजूदा मानसून सत्र में लोकसभा द्वारा पारित किया गया पहला बिल है। बिल पास होने के बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा ने मंगलवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 6 महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव पास कर दिया। यह अवधि 13 अगस्त 2025 से शुरू होगी। इससे पहले 30 जुलाई को लोकसभा इस प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह प्रस्ताव सदन में पेश किया, जिसे भारी विपक्षी हंगामे के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। बता दें कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन पहली बार 13 फरवरी 2025 को लगाया गया था, जब मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने पद से इस्तीफा दे दिया था। बीते करीब दो वर्षों से राज्य में हिंसा, जातीय टकराव और राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। इन हालातों के चलते राज्य सरकार को संविधान के अनुरूप काम करने में असमर्थ माना गया।

अंतिम संस्कार आज दिल्ली में

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन.....

नयी दिल्ली/ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया. वह 79 वर्ष के थे. मलिक के निजी स्टाफ ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उनका अंतिम संस्कार बुधवार अपराह्न चार बजे लोदी रोड स्थित श्मशान घाट में होगा. अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का अपराह्न एक बजकर 12 मिनट पर यहां राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में निधन हो गया. उनके स्टाफने बताया कि

वह लंबे समय से अस्पताल की गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था. आरएमएल अधिकारियों ने एक बयान में कहा गहरे दुख के साथ, हम सत्यपाल मलिक के निधन की पुष्टि करते हैं. उनका हमारे अस्पताल की गहन देखभाल इकाई में इलाज किया जा रहा था. उन्होंने बताया कि मलिक मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से लंबे समय से जूझ रहे थे. जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था.

संयोग से, उन्होंने केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली. मलिक ने यह आरोप लगाकर विवाद पैदा कर दिया था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर में दो प्रमुख परियोजनाओं की फाइल को मंजूरी देने के लिए रिश्वत की पेशकश की गई थी.

ओडिशा में छात्रा के आत्मदाह मामले में एबीवीपी के संयुक्त सचिव समेत 2 गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर में 20 वर्षीय छाझा के आत्मदाह मामले में पुलिस ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राज्य संयुक्त सचिव समेत 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एबीवीपी संयुक्त सचिव शुभ्रा संबित नायक और सदस्य ज्योति प्रकाश बिस्वाल कथित तौर पर उस समय मौजूद थे, जब छात्रा ने खुद को आग लगाई थी। दोनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। अपराध शाखा के अधिकारियों ने बताया कि छात्रा के आत्मदाह के दिन दोनों उसके साथ थे। दोनों पर छात्रा को उकसाने का आरोप है, जिसके बाद छात्रा ने जान दी।

इसमें ज्योति प्रकाश छात्रा को बचाने में घायल हो गए, जो अस्पताल में भर्ती थे।

सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी पर रार

खरगे बोले-क्या हम आतंकवादी हैं,मुझसे ट्यूशन ले लीजिए-नड्डा

नई दिल्ली/ एजेंसी

सदन में सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी के मुद्दे पर आज राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल सभापति ने इस बात पर आपत्ति जताई कि जब खरगे ने उन्हें सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती को लेकर पत्र लिखा था तो उसे मीडिया में क्यों जारी किया गया। सभापति ने इसे सदन के नियमों का उल्लंघन करार दिया। इस पर खरगे ने कहा कि वह सभी को पत्र के बारे में जानकारी नहीं दे सकते थे तो उन्होंने इसे लेकर मीडिया में बयान जारी किया। चर्चा के दौरान जेपी नड्डा ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाए और नसीहत देते हुए कहा कि विपक्ष को उनसे ट्यूशन लेने की जरूरत है। दरअसल राज्यसभा

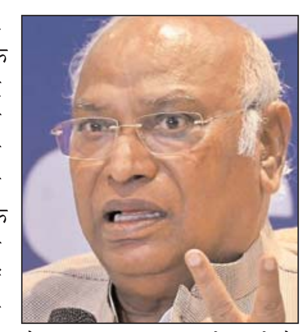

के उपसभापति हरिवंश ने खरगे के पत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पत्र को मीडिया में जारी करके संसद के जनता को जानकारी देने के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। इसके बाद उपसभापति ने कई घटनाओं का जिक्र किया, जब सत्ता पक्ष के लोग सदन में बोल रहे थे और विपक्षी सांसदों ने उनकी सीटों के पास आकर उनके संबोधन बाधित करने का प्रयास किया। सभापति ने कहा कि 'क्या यह लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं है? उन्होंने कहा कि सदस्यों द्वारा वेल में प्रदर्शन गलत है और यह सदन की परंपरा के खिलाफ है। क्योंकि वेल की एक पवित्रता होती है।' सभापति के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जब सदन के नेता महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होते हैं।

तो उस समय सदन में सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती गलत है। उन्होंने उदाहरण दिया कि 'जब अरुण जेटली राज्यसभा में और सुषमा स्वराज लोकसभा में विपक्ष के नेता थे, तो उन्होंने कहा था कि व्यवधान डालना भी लोकतंत्र को मजबूत करने का तरीका है।

उत्तरकाशी में बादल फटने से मची तबाही-अब तक चार लोगों की मौत

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में बादल फटने से खीरगंगा में भयंकर बाढ़ आ गई। डीएम प्रशांत आर्य ने बताया की धराली आपदा में अब तक चार लोगों की मौत हुई है। जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। पानी का सैलाब गांव की तरफआते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकाने ध्वस्त हो चुकी है। आर्मी हर्षिल/ पुलिस/ एसडीआरएफटीम भटवाड़ी के लिए रवाना हुई हैं।उत्तराखंड में भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है। आज मंगलवार सुबह ही उत्तरकाशी बडकोट तहसील क्षेत्र के बनाल पट्टी में भारी अतिवृष्टि होने से चपेट में आई करीब डेढ़ दर्जन बकरियां कुड गदेरे में बह गई। कुड गदेरा उफान पर आने से अफरातफरी मच गई। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक रोहित थपलियाल ने बताया, प्रदेश भर में 10 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना है। खासकर पर्वतीय इलाकों में तेज दौर की बारिश के आसार हैं। वहीं, बारिश की वजह से सुरक्षा को देखते हुए देहरादून, पौड़ी, टिहरी और हरिद्वार में मंगलवार को भी स्कूल बंद रहेंगे। धराली उत्तरकाशी क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान का सीएम धामी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें युद्ध स्तर पर जुटी हुई हैं। इस सम्बन्ध में लगातार वरिष्ठ

अधिकारियों से संपर्क में हूं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के पास उत्तरकाशी में बादल फटने की प्राथमिक सूचना प्राप्त हुई है।

उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग ने भारत सरकार को दो एमआई और एक चिनूक हेलिकॉप्टर राहत और बचाव कार्य के लिए देने का अनुरोध किया है।

जनपद में बीती रविवार देर रात से हो रही बारिश के कारण स्यानाचट्टी के पास यमुनोत्री हाईवे का करीब 25 मीटर हिस्सा धंस गया है जिससे आवाजाही बंद हो गई है। वहीं स्यानाचट्टी के एक ओर पहाड़ी से बोल्डर गिर रहे हैं। उधर, गंगोत्री हाईवे सुबह से दोपहर तक कई स्थानों पर अवरुद्ध रहा।

इस वर्ष का मानसून की बारिश के कारण यमुनोत्री हाईवे पर परेशानी थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते रविवार देर रात से जारी बारिश के कारण ओजरी डाबरकोट, स्यानाचट्टी के पास मलबा, बोल्डर गिरने से सड़क पर आवाजाही बंद हो गई थी। वहीं स्यानाचट्टी के दूसरी ओर कुपड़ा मोटर मार्ग के समीप करीब 25 मीटर सड़क धंसने से परेशानी बढ़ गई है। एनएच विभाग की ओर से ओजरी डाबरकोट सहित पालीगाड और स्यानाचट्टी के समीप एक स्थान पर आवाजाही शुरू करवा दी गई लेकिन सड़क करीब 25 मीटर धंसने से एनएच विभाग की मशीनरी को मार्ग खोलने में परेशानी हो रही है। ईई मनोज रावत मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि बारिश के चलते हाईवे खोलने में दिक्कत आ रही है। हाईवे धंसने वाली जगह पर शाम तक अंदर की ओर थोड़ा बहुत कटिंग कर छोटे वाहनों को निकालने का प्रयास किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर गंगोत्री हाईवे पर भी सुबह से दोपहर के बीच में डबराणी सहित नाग मंदिर और नेताला के समीप करीब एक से दो घंटे तक मलबा आने के कारण आवाजाही बंद रही। बीआरओ की ओर से उसे खुलवाकर आवागमन सुचारू किया गया।

CMYK

गोस्वामी तुलसीदास जन्मोत्सव पर 150 मानस पथिक तुलसी साहित्य अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित

51 मानस मंडलियों के सदस्यों को किया आजीवन सदस्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित

बेमेतरा। तुलसी मानस प्रतिष्ठान जिला इकाई बेमेतरा द्वारा गोस्वामी तुलसीदासजी का 528 वां जन्मोत्सव एवं अलंकरण समारोह का आयोजन श्रीराम मंदिर प्रांगण बेमेतरा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तुलसी मानस प्रतिष्ठान छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश देशमुख, पं. शिवकुमार पाठक, हरिदास महाराज, घनश्याम सिंह ठाकुर कर्मा सम्राट, बाल संस्कार संचालक अशोक मिश्रा, मानस मणि ठेकेलाल देवांगन, मानस मर्मज्ञ राम राजेश साहू, आकाशवाणी कलाकार थम्हनदास अस्तूरे, मानस मर्मज्ञ रिझन सिंह सेन गुरुजी, प्रदेश सलाहकार त्रेता चंद्राकर विनायकपुर, बालोद जिला अध्यक्ष लिलार सिन्हा एवं बेमेतरा जिला अध्यक्ष अनिल रजक के अतिथि में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम शुभारंभ दीप प्रज्वलित, गोस्वामी तुलसीदास एवं श्रीराम दरबार के छायाचित्र में पूजा अर्चना के पश्चात रामचंद्र कृपालु भजमन एवं हनुमान चालीसा पाठ श्रीराम जानकी मानस परिवार बेमेतरा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि तुलसी मानस प्रतिष्ठान के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश देशमुख ने कहा कि श्रीरामचरितमानस तुलसी की चेतना से अवतरित विश्व वंदनीय महाकाव्य है, जो मानवीय जगत को मनुष्य होने का बोध कराता है, इसलिए राम और राम कथा आज भी शाश्वत और प्रासंगिक है। उन्होंने जिला इकाई बेमेतरा संगठन को सराहा। श्रीराम मंदिर मुख्य पुजारी पं. शिवकुमार पाठक ने कहा कि अध्यात्म के लिए श्रीरामचरितमानस का पठन-पाठन संस्कार प्रबल करना पर ही हमें आत्म दर्शन हो सकता है जिससे समाज का कल्याण संभव है। प्रदेश सलाहकार त्रेता चंद्राकर के द्वारा श्रीरामचरितमानस में से प्रेरक प्रसंग के माध्यम से गोस्वामी तुलसीदास जी के संदेश को अपनी व्यवहारिक जीवन में संजोने का संदेश दिया। मानस मणि ठेकेलाल देवांगन ने कहा कि गोस्वामी जी के जीवन चरित्र के पुस्तक पर प्रकाश डालते हुए उनके कष्टमय जीवन को भावपूर्ण जन समुदाय के बीच में संदेश को रखा जिसे श्रोताओं ने अत्यंत ही गंभीरता से सुने। बालोद जिला अध्यक्ष लिलार सिन्हा ने कहा कि गोस्वामी जी के प्रेरणा स्रोत रत्नावली है। रत्नावली के पावन प्रसंग को लेकर ज्ञान भक्ति वैराग्य के विषय में प्रभावी तरीके से विचार रखें। मानस मर्मज्ञ राम राजेश साहू द्वारा युग तुलसी रामकिंकर जी महाराज एवं मुरारी बापू को माध्यम बनाकर प्रत्येक लोगों को तुलसीदास जी के काव्य से जीवन में चरितार्थ करना चाहिए।

पं.अशोक मिश्रा ने कहा कि भवसागर से तरने के लिए भजन कीर्तन नाम स्मरण ही सार है। जिला संरक्षक हरिदास महाराज ने कहा कि श्रीरामचरितमानस ही ऐसा ग्रंथ है जिससे अपने जीवन में आत्मसात कर अपना कल्याण कर सकते हैं। कर्मा सम्राट घनश्याम ठाकुर ने विभिन्न प्रसंगों को छत्तीसगढ़ी कविता के माध्यम से जन समुदाय को आनंदित किया। आकाशवाणी कलाकार थम्हनदास अस्तूरे ने गोस्वामी जी के जन्मोत्सव पर सोहर पद का गायन कर श्रोताओं का आनंद में चार चांद लगा दिया। मानस मर्मज्ञ रिझन सिंह सेन गुरुजी ने गोस्वामी जी के संपूर्ण जीवन परिचय को विस्तार से रखे। जिला अध्यक्ष अनिल रजक ने कहा कि तुलसी मानस प्रतिष्ठान सनातन संगठन है जिससे प्रत्येक व्यक्ति को जुड़ना चाहिए और अपने धर्म की रक्षा करना चाहिए। कार्यक्रम में राम रसिया मानस परिवार चमारी, आदर्श मानस मंडली सेमरिया, श्रीराम जानकी मानस परिवार बेमेतरा, शक्ति संगम मानस मंडली भिंभौरी, जय शीतला मानस मंडली सेमरिया, वीना महिला मानस मंडली सिंघौरी, जय संतोषी महिला मानस मंडली खाल्हे देवरी, सुर समृद्धि भजन मंडली बेमेतरा एवं जय बजरंग मानस परिवार सनकपाट की मंडली ने मनमोहक प्रस्तुति दिए जिससे दर्शक श्रोतागण मंत्र मुग्ध होकर ताली बजाने लगे। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश देशमुख द्वारा अलंकरण समारोह बेमेतरा जिला के चारों विकास खण्डों से पधारे हुए जो 25 वर्षों से श्रीरामचरितमानस के आयोजन, संगठन, संगीत एवं व्याख्या में सेवा देने वाले 150 मानस पथिकों को तुलसी साहित्य अलंकरण पत्रक, श्रीफल, गमछा एवं माला पहनाकर सम्मानित किया व तुलसी मानस प्रतिष्ठान के 51 आजीवन सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र देकर अपने कर कमलों से सम्मानित किया।

धर्म भूमि मुक्ति अभियान को मिली ऐतिहासिक सफलता, नवागढ़ रामजानकी मंदिर की करोड़ों की राजधानी स्थित भूमि हुई अतिक्रमण मुक्त

बेमेतरा। धर्म, संस्कृति और सनातन परंपरा की रक्षा हेतु समर्पित धर्म स्तंभ काउंसिल के धर्म भूमि मुक्ति अभियान को एक ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई। नवागढ़ स्थित रामजानकी मंदिर, निर्वाणी अखाड़ा की वह बहुमूल्य धर्मभूमि, जो पिछले चार दशकों से अवैध कब्जाधारियों के नियंत्रण में थी, उसे प्रशासनिक सहयोग से मुक्त कराया गया। इस कार्य में धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरभ निर्वाणी के नेतृत्व में लगातार संघर्ष चलता रहा,आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के त्वरित निर्देशों के परिणामस्वरूप, यह मुक्ति अभियान सफलता तक पहुँचा। वैष्णव सम्प्रदाय निर्वाणी अखाड़ा की नवागढ़ रामजानकी मंदिर की संपत्ति नवागढ़ के अलावा बेमेतरा, रायपुर, महासमुंद में है जो मंदिर को समय समय पर दान में श्रद्धालुओं द्वारा समर्पित की गई थी, महंत सुरेंद्र दास ने कहा है कि धर्म स्तंभ कौंसिल के मदद से रामजानकी मंदिर के अन्यत्र स्थित खेतिहर जमीनो को भी अवैध कब्जों से मुक्त कराया जाएगा वही राजधानी के स्टेशन रोड पर स्थित जमीन पर एक भव्य धर्मशाला का निर्माण होगा जिसमे बेमेतरा नवागढ़ साजा के सनातन भाई बहन रुक सकेंगे साथ ही साथ संत महात्माओं के लिए यज्ञ हवन शाला के साथ विशेष परिसर का निर्माण भी किया जाएगा रामजानकी मंदिर परिसर में स्थित नर्मदा कुंड केवल जलस्रोत नहीं, अपितु सनातन संत परंपरा की जीवंत धारा है। यहाँ निर्वाणी अखाड़े के संन्यासी वर्षों से तप, ध्यान और पूजन करते रहे हैं। यह धरा संतों की सेवा, भंडारा, भक्ति और जनकल्याण की प्रेरणा देती आई है। इस संबंध में डॉ. सौरभ निर्वाणी, सभापति धर्म स्तंभ काउंसिल ने कहा कि यह भूमि किसी संस्था की नहीं, धर्म की है; यह अधिकार किसी कागज़ का नहीं, परंपरा और तप की पीढ़ियों का है। रामजानकी मंदिर, निर्वाणी अखाड़ा के पूज्य महंत सुरेंद्र दास जी ने इस ऐतिहासिक मुक्ति के लिए धर्म स्तंभ काउंसिल का आभार जताया और कहा किः यह केवल भूमि की वापसी नहीं, यह आस्था की पुनर्स्थापना है। आने वाली पीढ़ियाँ इस संकल्प को याद करेंगी। इस अभियान के दौरान धर्म स्तंभ काउंसिल के वरिष्ठ सदस्य डॉ. रवींद्र द्विवेदी, त्र्यंबेश साहू, कृष्ण वैष्णव, डॉ. शंकर पुष्पकार, अविनाश चंद्र मिश्रा लगातार 8 से 10 घंटे विशेष रूप से उपस्थित रहे और निरंतर भूमिका निभाई।धर्म स्तंभ कौंसिल के डॉ सौरभ निर्वाणी ने स्पष्ट करते हुए कहा कि ज़ छत्तीसगढ़ के समस्त मठ-मंदिरों की भूमि और परंपरा की रक्षा हेतु अभियान सुदृढ़ रूप से जारी रहेगा। मठों की स्वायत्तता और सनातन की गरिमा पुनर्स्थापित करने हेतु समाज, संत और सरकार को एक मंच पर लाने का कार्य किया जाएगा। किसी भी मठ मंदिर के जमीन को बिकने नहीं देंगे साजिश और षड्यंत्र कर पूर्व में बेच चुके जमीनो को भी मठिय परंपराओं के अनुरूप मंदिरों और मठ में वापस लाकर छत्तीसगढ़ में मंदिरों के वैभवशाली गौरवशाली परंपराओ को पुनर्जीवित किया जाएगा।

बौद्ध धर्म के सभी पहलुओं पर डाला प्रकाश

दल्लीराजहरा। सम्यक बौद्ध महासभा दल्लीराजहरा के तत्वाधान में अंबेडकर मेमोरियल भवन में तीन अगस्त को एक दिवसीय धम्म देशना का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भंते सोमानंदजी (राष्ट्रीय प्रभारी, बुध्दिष्ट इंटरनेशनल नेटवर्क भिक्षुसंघ दिल्ली), भिक्षुणी प्रवज्जा एवं भिक्षुणी शासन मेता जी के द्वारा धम्म देशना का कार्यक्रम संपन्न किया गया । वे समाज में बदलाव कैसे आयेगा, क्रांतिकारी सोच व कार्य करने की नीति में कैसे परिवर्तन करे भंते सोमानंद जी के ओजस्वी वाणी से बौद्ध उपासक उपासिकाओं को सुनने व अपने जीवन में अंगीकार करने के लिए बौद्ध धर्म के सभी पहलुओं पर बारीकी से प्रकाश डाला। मंच संचालन संस्था की महिला अध्यक्ष चंद्र रेखा नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन अशोक बंबेश्वर ने किया।इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत कांडे ,सम्यक बौद्ध महासभा के अध्यक्ष अशोक बाम्बेश्वर, महाप्रज्ञ बुद्ध विहार के अध्यक्ष भीमराव भैसारे, छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज के अध्यक्ष रवि बरसागडे, ओमप्रकाश रामटेके, दिलीप सुखदेवे , गोरेलाल बांबेश्वर,अजय रामटेके, रोशन पाटील, सत्यनारायण रामटेके, दिलीप रंगारी, सुरेंद्र मेश्राम, किशोर बांबेश्वर, कमलकांत रामटेके, गौतम रामटेके, दीपक रंगारी, जितेंद्र मेश्राम, डॉक्टर अजय बनसोडे, सत्य विजय बंबेश्वर, नरेंद्र पवार, दीपक दामले, एकनाथ सहारे, गोवर्धन रंगारी, नीता कमल रामटेके, शारदा बंबेश्वर ,माया नोन्हारे, रंजन रामटेके, ममता बहाने, सपना मानवतकर ,सीमा मेश्राम, सीमा रामटेके, नीतू रामटेके, भूमिका पाटिल, रितु बंबेश्वर, भावना दसोडे , आशा नोन्हारे ,यामिनी नोन्हारे ,शीला दसोडे,पूर्णिमा रामटेके, लीला खोबरागड़े, संगीता पाटिल, रमाबाई महेश्वरी, दीक्षिला बनसोडे, भुवनेश्वरी बंबेश्वर, विद्यावती सहारे, निर्मला भगत रंभा पवार एवं बौद्ध उपासक उपासिकाएं उपस्थित थी।

बेरला में मंडल कांग्रेस कमेटी गठन को लेकर कांग्रेस की बैठक

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड बेरला में मंडल कांग्रेस कमेटी के गठन को लेकर बैठक हुई जिसमें प्रभारी एवं पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अवनीश राघव तथा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा भी शामिल रहे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रभारी अवनीश राघव ने कहा कि मंडल कांग्रेस कमेटी सीधे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के शीर्ष नेताओं से जुड़ी रहेगी तथा समय-समय पर शीर्ष नेतृत्व से मार्गदर्शन प्राप्त करते रहेगी मंडल कांग्रेस कमेटी में कांग्रेस के सयि कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा तथा ऐसे जमीनी कार्यकर्ता जो कांग्रेस की रीति नीति को आत्मसात करते हैं उन्हें मंडल कांग्रेस कमेटी में प्राथमिकता से स्थान दिया जाएगा पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि मंडल कांग्रेस कमेटी का गठन कांग्रेस के सयि सदस्यों की एक नई कमेटी है जो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में काम करेगी तथा जमीन पर कांग्रेस के लिए वातावरण तैयार करेगी मंडल कांग्रेस कमेटी में पार्टी के जुझारू तथा समर्पित कार्यकर्ताओं को स्थान दिया जाएगा एवं उनके द्वारा लगातार जनसंपर्क एवं आम जनता के बीच से उठने वाली आवाज को कांग्रेस अपनी आवाज बनाएगी इसलिए आवश्यक है मंडल कांग्रेस कमेटी में समर्पित एवं सयि लोगो को ही मौका मिले कांग्रेस पार्टी अपने प्रारंभ से आज तक जनता की आवाज बनकर जनता के बीच उपस्थिति रही है और आगे भी रहेगी सरकारें आती रहेगी जाती रहेंगी लेकिन कांग्रेस का सच्चा सिपाही जिसका उद्देश्य ही जनहित एवं देश हित में अपना सर्वोत्तम योगदान देने का रहा है और वह हम देते रहेंगे इस अवसर पर अवनीश राघव जी ब्लॉक प्रभारी बेरला श्रीमती कविता साहू अध्यक्ष महिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा नेहा सुराणा योगिता साहू आरती पटेल रवि परगनिया बिहारी कौर भारत टी आर जनार्दन जी भरत भूषण साहू राजेश दुबे सुनील जैन राजेश चंदेल विवेक सिंह राजपूत डॉक्टर जितेंद्र जीत मोनल सिन्हा चंद्र प्रकाश साहू ओम प्रकाश साहू संतोष साहू राधेश्याम वर्मा नवीन साहू नवाज़ खान राधेश्याम दिनेश साहू श्रवण कुमार रमाकांत साहू धनराज बंजारे हेमराज साहू समीर साहू चेतन बंजारे चेतन सिंह योगेंद्र सिंह जितेंद्र जोशी विष्णु साहू रामकुमार साहू अर्जुन देवांगन नारायण हरे वीरेंद्र कुमार इमरान कुरेशी प्रदीप परगनिया अर्पित परगनिया मनहरण परगनिहा रूप लाल निषाद रामखेलावन साहू सुरेश गौरी हरिशंकर नोहर देवांगन डीधोरण साहू गन्नू राम उपस्थित रहे।

स्व. सरवती देवी बनारसी दास फरमानिया चैरिटेबल ट्रस्ट पेंड्रा द्वारा अध्ययन सहयोगी सामग्री का किया गया वितरण

कुम्हारी। शासकीय प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक शाला सांकरा (कुम्हारी) में विगत शनिवार को स्व. सरवती देवी बनारसी दास फरमानिया चैरिटेबल ट्रस्ट पेंड्रा (छ ग) के संचालक और संस्थापक सुरेश फरमानिया ने ट्रस्ट द्वारा स्कूल के सभी 150 छात्र छात्राओं को स्कूल बैग, कम्पास बॉक्स, पेन,कॉपी, आदि बहुत सारी अध्ययन सहयोगी सामग्रियों का वितरण किया । साथ ही सुरेश फरमानिया जी द्वारा शाला में न्यौता भोजन प्रदान करने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आर्शीवचन प्रदान किया। इसी कड़ी में उन्होंने शाला के रसोइयागण और बीएड प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों को भी बहुत सारे उपहार प्रदान किया। इस अवसर पर पूर्व माध्यमिक शाला प्रधानपाठक महेश्वरी तिवारी, प्राथमिक शाला प्रधानपाठक मंजुलता राजपूत, शिक्षकगणों में राजेन्द्र कुमार वर्मा, अर्पणा पाण्डेय, भुनेश्वरी सोनकलिहारी, अरुण कुमार गेन्द्रे, संकुल समन्वयक संदीप चंद्रवंशी और शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नारधा के प्रधानपाठक मनोज कुमार मढ़रिया उपस्थित रहे। इन सभी का इस भव्य कार्यक्रम में विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत मे शाला के समस्त स्टाफ द्वारा सुरेश फरमानिया जी के इस पुनीत कार्य और अपार सहयोग के लिए आभार प्रदर्शन करते हुए शाला की ओर से सप्रेम श्रीफल और कलम भेंट प्रदान किया गया ।

असम की राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल होंगे शिक्षक प्रदेश से चयनित शिक्षकों की टीम हुई रवाना

डोंगरगांव नगर। प्रदेश के 10 चयनित शिक्षकों की टीम शिक्षा विभाग से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला में हिस्सा लेने पहली बार गोवाहाटी आसाम के लिए रवाना हुई है। इस टीम में शामिल शिक्षक एनईपी के अनुरूप अनुस्थापन पाठ्यक्रम के तहत् सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होंगे। सभी शिक्षकगण 15 अगस्त से पुर्व फ्लाइट से वापस लौटेंगे। भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश भर के कुछ चुनिंदा व विषयों में पारंगत शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास तथा शैक्षिक गुणवत्ता विकास की दृष्टि से इस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र सीआरटी नई दिल्ली द्वारा एनईपी 2020 के अनुरूप जून 2025 से फरवरी 2026 तक विभिन्न कोर्स एवं ओरियंटेशन कोर्स के कार्यशाला का आयोजन असम गुवाहाटी में किया जा रहा है। इसमें शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के शिक्षकों का चयन किया गया है। राष्ट्र स्तर पर प्रशिक्षण कार्यशाला में जिला राजनांदगांव से डॉ भगवानी निषाद एवं मनोज कुमार साहू, मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी से सुनील कुमार चौरसिया, बस्तर से एम किरण कुमार, महासमुंद से आशीष कुमार देवांगन, कोरिया से अंकित कुमार पांडे, रायपुर से वीना श्रीवास, दुर्ग से रिया खान, बेमेतरा से फुलेश्वरी ठाकुर, कबीरधाम से तारा झरिया शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज की महिलाओं ने मनाया हरेली उत्सव, डॉ.खूबचंद बघेल के नेक कार्यों का किया स्मरण

कुम्हारी। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज महिला नगर इकाई द्वारा वार्ड क्र. 3 कुर्मी भवन में हरेली उत्सव एवं डॉ. खूबचंद बघेल की 125 वीं जयंती बड़े ही उत्साह व उमंग के साथ मनाई गई। उक्त कार्यम में मुख्य अतिथि दुर्गराज के राजप्रधान ईश्वरी वर्मा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिकाध्यक्षा मीना वर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि समाज के नव नियुक्त अध्यक्ष मनोज वर्मा थे। मुख्य अतिथि ईश्वरी वर्मा ने अपने सम्बोधन में डॉ. खूब चंद बघेल की जीवनी से सम्बंधित पूरी जानकारी समाज के लोगों को सविस्तार पूर्वक दी। मीना वर्मा ने समाज स्वजातियों को हरेली उत्सव की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। भाजपा नेता, नगर अध्यक्ष मनोज वर्मा ने समाज के क्रियाकलाप की संपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि समाज के अनेक महापुरुषों ने अपना श्रेष्ठ योगदान देकर समाज की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है, उनका स्मरण करते हुए सतत आगे बढ़ने तथा परस्पर सहयोग से सामाजिक सुदृढ़ता को बनाए रखते हुए एकजुट होकर आगे बढ़ें। समाज के बच्चों, युवाओं तथा महिलाओं ने अनेक कार्यक्रम में भाग लिया जिसमें विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर समाज के मुख्य रूप से विजय वर्मा, गोविन्द बघेल, अनुज वर्मा, दिनेश वर्मा, नगर महिला अध्यक्षा योगिता वर्मा, वीणा वर्मा, नंदिनी वर्मा, पुष्पा वर्मा, गोंदा वर्मा, गंगा वर्मा, राधा वर्मा, रेवती वर्मा, सरिता बिजौरा, रिंकू वर्मा, कीर्ति वर्मा, चित्रलेखा वर्मा, दीपक वर्मा, गोकुल वर्मा, उर्वशी वर्मा, शांति वर्मा उपस्थित रहे।

हर-हर महादेव और जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा सोमनाथ धाम

बेमेतरा। श्रावण मास के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बोल बम कांवड़ यात्रा समिति द्वारा भव्य कांवड़ पद यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं आस्था के साथ भाग लिया। कांवड़ यात्रा की शुरुआत ग्राम आनंदगांव से हुई, जो तेलगा, बारगांव, पाहंदा, अच्छोली, जमघट, चेटूवा, सहगांव, खुड़मुड़ा, भरदा और मुड़पार होते हुए सोमनाथ धाम पहुंची। इस पुण्य अवसर पर बेमेतरा विधायक माननीय दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। ग्राम अच्छोली स्थित सेवा सहकारी समिति परिसर में विधायक साहू द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर कांवड़ यात्रा में श्रद्धापूर्वक शामिल हुए। उन्होंने शिवभक्तों के साथ मिलकर हर हर महादेव के जयघोष में भावविभोर होकर भक्ति रस में झूमते हुए यात्रा की शोभा बढ़ाई। यात्रा का मुख्य आकर्षण जय माँ शाकंभरी जस बइहा झांकी परिवार, भिलाई द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक झांकी रही, जिसने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। सोमनाथ मंदिर में विधायक दीपेश साहू की उपस्थिति में श्रद्धालुओं ने विधिवत जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर बाबा भोलेनाथ से क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। दर्शन के पश्चात श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी और शिवनाथ नदी में नौका विहार का आनंद लिया एवं गंगा मैया की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विधायक दीपेश साहू ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा–श्रावण मास शिव आराधना का महापर्व है। कांवड़ यात्रा एक आध्यात्मिक और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इस यात्रा में जन-जन की आस्था और ऊर्जा देखने लायक थी। मैं बोल बम समिति और समस्त ग्रामवासियों को इस अद्भुत आयोजन के लिए हृदय से बधाई देता हूँ। यात्रा के समापन पर महाप्रसादी भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक साहू ने स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित कर सेवा का संदेश दिया। इस विशाल आयोजन में पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश मंत्री अवधेश सिंह चंदेल, भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भोलाशंकर वर्मा, भाजपा भींभौरी मंडल महामंत्री पोषण वर्मा, भाजपा आई.टी. सेल जिला संयोजक सौरभ मिश्रा, सरदा मंडल अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, जनपद सदस्य गौकरण साहू, प्रतिनिधि खेलन साहू, नीरज राजपूत, लालू साहू, रोहित साहू, राहुल साहू, सहित युवा मोर्चा, मंडल, जनप्रतिनिधिगण, भाजपा वरिष्ठ नेता और हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। बोल बम समिति द्वारा किए गए इस आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया बल्कि सामाजिक एकता और प्रकृति संरक्षण जैसे उद्देश्यों को भी सार्थक रूप से आगे बढ़ाया।

आदिवासी छात्रावासों की निगरानी के लिए जिला स्तरीय समिति गठित, रतिराम भट्ट सहित 15 सदस्य शामिल

कवर्धा। जिला कबीरधाम अंतर्गत संचालित आदिवासी विकास विभाग के छात्रावासों/आश्रमों की निगरानी और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने हेतु छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर जिला स्तरीय निगरानी समिति का गठन किया गया है। इस समिति में तहसील पंडरिया के जनप्रतिनिधि रतिराम भट्ट को भी सदस्य के रूप में नामित किया गया है। समिति का गठन आदिवासी तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा छात्रावास/आश्रमों की गुणवत्तापूर्ण व्यवस्थाओं की समीक्षा और सुधार के उद्देश्य से किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर कबीरधाम द्वारा आदेश मांक 1569/आजाक/ छात्रावास-आश्रम/2025-26 दिनांक 18.07.2025 को जारी किया गया।

समिति में कुल 15 सदस्य शामिल हैं, जिनमें कलेक्टर कबीरधाम अध्यक्ष के रूप में जबकि जिला पंचायत, जनपद, विधायक प्रतिनिधि, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य, विद्युत विभागों के अधिकारी तथा समाजसेवी और शिक्षकगण को भी सदस्य के रूप में स्थान दिया गया है।

समिति के मुख्य उद्देश्य एवं कार्य

1. छात्रावासों में प्रवेशित विद्यार्थियों की उपस्थिति की नियमित मॉनिटरिंग कर सुधार हेतु सुझाव देना।
2. समय-सारिणी का पालन सुनिश्चित कराना।
3. पेयजल, विद्युत, भोजन, साफ सफाई जैसे मूलभूत सुविधाओं की समय-समय पर समीक्षा।
4. भवन की स्थिति का निरीक्षण एवं सुधार हेतु प्रयास।
5. छात्रावास के मेस की निगरानी, शुल्क भुगतान की व्यवस्था का मूल्यांकन।
6. परिसर की स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के स्तर की समीक्षा।
7. विभागीय योजनाओं के यिान्वयन की निगरानी।
8. विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता की समीक्षा।
9. छात्राओं की सुरक्षा तथा महिला कर्मियों की उपस्थिति की समीक्षा।

समिति प्रत्येक 6 माह में कम से कम दो बार बैठक आयोजित कर विभाग को प्रतिवेदन सौंपेगी।

विशेष रूप से रतिराम भट्ट की भूमिका इस समिति में आदिवासी समुदाय की जमीनी जरूरतों को शासन तक पहुंचाने में अहम मानी जा रही है। पंडरिया क्षेत्र के सयि जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी नियुक्ति से स्थानीय हितों की प्रभावी अभिव्यक्ति की संभावना और मजबूत हुई है।

कांवड़ यात्रा एवं रुद्राभिषेक से युवाओं में धर्म जागरण शिवालयों में शिवतत्व उर्जित, लोगों ने की पुष्पवर्षा

डोंगरगांव नगर। नगर में श्रावण मास को लेकर आस्था चतुर्थ सोमवार को चरमोत्कर्ष हुआ। शिव मंदिर साकेतधाम एवं महाकाल मंदिर वार्ड 14 के नागरिकों द्वारा निकाली जाने वाली कांवड यात्रा में चतुर्थ व अंतिम सोमवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सावन मास भर में बच्चों, युवाओं, महिलाओं के साथ बुजुर्गों की भी जलाभिषेक के लिए जल लेने शिवनाथ नदी में होड़ मच गई। चतुर्थ सोमवार को साकेत धाम शिव मंदिर एवं वार्ड 14 स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर से प्रातः 6 बजे कांवड़ यात्रा निकाली गई। बच्चों के सुविधानुसार कांवड़ की व्यवस्था मंदिर संचालन समिति तथा समाजसेवियों द्वारा की गई। शिवनाथ नदी से वापस मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक उपरांत बच्चों के सेहत के मद्देनजर समाजसेवियों द्वारा स्वल्पाहार वितरण किया जा रहा है। अनेक यात्री एक लोटा जल लेकर तो कोई सजावट वाली कांवड़ लेकर अपनी अपनी आस्था प्रकट कर रहे हैं। अनेक समाजसेवी युवाओं ने कांवड़ यात्रियों की स्वल्पाहार सेवा की। कांवड़ यात्रियों को प्रोत्साहित करने साकेतधाम मंदिर के लक्ष्मीनारायण गुप्ता, दीना पटेल, हेमंत यदु सहित अनेक समाजसेवी प्रत्येक सोमवार को सम्मिलित हुए। अंतिम सोमवार को गुलशन हिरवानी, हेमंत चोपड़ा, सतीश पांडे, प्रवेश ठाकुर, केशव साहू, रामा निर्मलकर, पार्षद पदमनी ठाकुर व एन के लहरे भी शामिल हुए। इसी प्रकार वार्ड 14 स्थित महाकाल मंदिर से पार्षद पुरुषोत्तम साहू ने गणमान्यजनों के साथ कावड़ यात्रा की अगुवाई की। अंतिम सोमवार को कांवड़ यात्रा पर समाजसेवी दिनेश गांधी, योगेश पटेल, कोमल साहू, रामकुमार गुप्ता, संतोष यादव व राजा जैन सहित अन्य ने पुष्प वर्षा की। कांवड़ यात्रा आयोजन को सफल बनाने में पुरुषोत्तम साहू, घनश्याम हिरवानी, नूतन साहू, सुरेश साहू, पुसउ पटेल, तोरण साहू, मोहन साहू, रामेश्वर यादव, ओमकार साहू, यशवंत साहू, अमित साहू, घनानंद, विभा साहू, मनीष, भूमिका, पायल मंडावी, नरेश साहू, अक्कू, तुषार, टोमन साहू, छोटू विश्कर्मा, अक्षय, हेमराज व चंदू बैगा ने सहयोग प्रदान किया।

आया सावन झूम के कार्यक्रम का किया आयोजन

उतई। शिक्षक कला व साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा आया सावन झूम के कार्यक्रम का आयोजन संस्थापक व संयोजक डॉ शिवनारायण देवांगन आस के निर्देशन, डॉ बोधीराम साहू के कार्यम संयोजन व विजय कुमार प्रधान के उपस्थिति में एवं मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद विजय लहरें के आतिथ्य में किया गया। सरस्वती वंदना ओ.पी. कौशिक 'रतनपुरिहा' व राजगीत चन्द्र कुमार चन्द्रा ने प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि शिकसा से जुड़कर शिक्षक साथियों को अनेकानेक उपलब्धियां देखने को मिल रही है। बहुत अच्छे शब्दों का चयन कर गीत कविता की प्रस्तुति प्रशंसनीय है। इसका श्रेय इसके संस्थापक संयोजक डॉ. शिवनारायण देवांगन आस को जाता है। सावन महीने के इस उत्सव भरे कार्यम को संस्थापक व संयोजक डॉ.शिवनारायण देवांगन आस, प्रांताध्यक्ष कौशलेंद्र पटेल, प्रदेश महासचिव एवं कार्यम संयोजक डॉ. बोधीराम साहू,कार्यम प्रभारी विजय प्रधान ने संबोधित करते हुए कहा इस तरह के आयोजनों से सांस्कृतिक दक्षता के साथ साथ बेझिझक हमारे शिक्षक साथी अपनी प्रस्तुति दे पा रहे है।

साथ ही साथ ऐसे आयोजनों से कला में निखार आता है। साथ ही प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करने की हमारी परंपरा है।

इस उत्सव कार्यम में चेतन सिंह चौहान, हेमा चन्द्रवंशी, रागिनी श्रीवास्तव, हरमन कुमार बघेल,रामकुमार पटेल, डॉ शालिनी श्रीवास्तव, सान्वी श्रीवास्तव, डॉ.प्रमोद कुमार आदित्य, लीलेश कुमार राजेश,मदनलाल तोमर, रीता राज सिदार चन्द्रकला शर्मा, मोहित कुमार शर्मा, शशिकला पाण्डेय, सुखमति चौहान, शुभी, विंध्यवासिनी पांडे ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यम का संचालन राधेश्याम कवर एवं आभार प्रदर्शन विजय प्रधान ने किया।

संक्षिप्त समाचार

अलग-अलग क्षेत्र से तीन दोपहिया वाहन पार

रायपुर। राजधानी रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने तीन दोपहिया वाहन पार कर दिया। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में सिंचाई कालोनी अभनपुर निवासी अनिल कुमार साहू 29 वर्ष ने अभनपुर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 पीए 9889 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 45 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में ग्राम गनौद संतराम कोसले 28 वर्ष ने राखी थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एमजी 3658 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। इसी तरह तीसरे मामले में कुशालपुर पुरानी बस्ती निवासी प्रार्थी शुभम दुबे 28 वर्ष ने पुरानी बस्ती थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एलएल 7622 को वालफोर्ट सिटी स्थित शराब दुकान के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चाकू के साथ दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर और गोलबाजार थाना पुलिस ने चाकू लेकर आतंक फैलाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार सरस्वती नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ज्योतिनगर रेलवे पटरी के पास चाकू लहराकर आतंक फैलाते हुए आरोपी सांतनु सिक्का 22 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से चाकू जब्त किया है। वहीं गोलबाजर पुलिस ने शराब भट्टी के पास चाकू लहराकर आतंक फैलाते आरोपी शेख शाहिद 40 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से चाकू जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

गैस सिलेंडर चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। थाना उरला पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए रात में घर का ताला तोड़कर गैस सिलेंडर चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से तीन एचपी गैस सिलेंडर एवं एक छोटा सिलेंडर, जिसकी कुल कीमत लगभग 10,000 है, बरामद किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी ने दिनांक 30 जुलाई 2025 को अपने किराए के मकान में ताला लगाकर अपने गृह ग्राम सोरला, जिला बेमेतरा चला गया था। अगले ही दिन 31 जुलाई को सुबह 5 बजे उसके पड़ोसी सूरज यादव ने फोन पर सूचना दी कि उसके घर का ताला टूटा हुआ है और घर का सामान बिखरा पड़ा है। प्रार्थी तत्काल अपनी पत्नी तारणी बाई साहू के साथ उरला लौटा और देखा कि उसके घर से तीन एचपी गैस सिलेंडर और एक छोटा सिलेंडर चोरी हो चुका था। थाना उरला में अपराध क्रमांक 195/2025, धारा 331(4), 305 बी एन एस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान संदेह के आधार पर सागर प्रजापति, रवि प्रजापति एवं राजा टंडन को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिनसे पूछताछ में आरोप सिद्ध हुआ। आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने दिनांक 30 जुलाई की रात में ताले लगे मकान से उक्त गैस सिलेंडर चोरी किए और उन्हें पंकज ऑक्सीजन के पास छुपाकर रखा। पुलिस ने मौके से चोरी गए सभी सिलेंडर जब्त कर लिए। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

हनुमान नगर में डेढ़ दिनों से नलों में पानी नहीं, रहवासी हो रहे परेशान

रायपुर। नगर निगम जोन क्रमांक 5 के अंतर्गत आने वाले हनुमान, चंद्रशेखर नगर एवं अन्य आसपास के क्षेत्रों में गत डेढ़ दिनों से नलों में पानी नहीं आने से जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। नगर निगम के जिम्मेदारों द्वारा इस संबंध में रहवासियों को किसी भी प्रकार के सुधार कार्य की जानकारी नहीं दी गई है जिसके चलते रहवासी पानी नहीं मिलने से परेशान है। इस संबंध में रहवासियों ने वार्ड पार्षद एवं जोन आयुक्त से तत्काल पानी बहाली की मांग की है। महापौर ने गत दिनों एमआईसी की बैठक में कहा था कि शहर के 70 वार्डों में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल समस्या का निदान किया जाएगा किंतु डेढ़ दिनों बाद भी नगर निगम कर्मचारियों द्वारा जलापूर्ति बहाल नहीं की गई है रहवासियों ने महापौर से भी जल व्यवस्था बिना किसी पूर्व सूचना के अवरोध उत्पन्न करने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

राज्य में तीन दिन तक चलेगा बने खाबो-बने रहिबो अभियान

मिलावट के खिलाफ जन-जागरूकता की बड़ी पहल-श्याम बिहारी जायसवाल

- स्वास्थ्य विभाग का काम सिर्फइलाज करना नहीं है, बल्कि बीमारी से पहले उसकी रोकथाम करना भी है : स्वास्थ्य मंत्री
- स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को किया रवाना

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को लेकर एक ऐतिहासिक पहल के तहत आज से तीन दिवसीय विशेष अभियान बने खाबो - बने रहिबो (अच्छा खाओ, स्वस्थ रहो) की शुरुआत हुई। यह अभियान 4 से 6 अगस्त तक चलेगा, जिसका संचालन खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह चलित प्रयोगशाला राज्य के 33 जिलों में घूम-घूम कर आमजन को गुणवत्ता पूर्ण भोजन और मिलावटी भोजन के प्रति लोगों को जागरूक करेगी तथा खाद्य सामग्री की मौके पर जांच करेगी, जिससे मिलावट के मामलों की तत्काल पहचान संभव होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सहभागी बनें, मिलावट से सतर्क रहें और स्वच्छ, सुरक्षित भोजन अपनाकर एक स्वस्थ छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में सहयोग दें। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण, शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री पहुँचे। स्वास्थ्य विभाग का काम सिर्फ इलाज करना नहीं है, बल्कि बीमारी से पहले उसकी रोकथाम करना भी है यही प्रिवेंशन ऑफ डिजीज है। उन्होंने कहा कि हमारे खानपान से संबंधित बीमारियाँ जैसे डायबिटीज़, थायरॉयड, फैटी लिवर, हाई कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग आज बहुत आम हो चुके हैं। इनसे बचने के लिए जन-जागरूकता, स्वच्छता और मिलावट रहित भोजन बेहद ज़रूरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए 'मिलावट के खिलाफअभियान' को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ में 'बने खाबो, बने रहिबो' अभियान की नींव रखी गयी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य परीक्षण की व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने हेतु एक अत्याधुनिक राज्य स्तरीय खाद्य प्रयोगशाला की स्थापना की जा रही है, जिससे छत्तीसगढ़ को खाद्य परीक्षण के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इस मौके पर सीजीएमएससी के अध्यक्ष श्री अमित म्हस्के ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही महत्वकांक्षी अभियान है जिसकी शुरूआत आज से की जा रही है। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से प्रदेश की जनता में खाद्य सामग्रियों को लेकर जागरूकता बढ़ेगी तथा मिलावट करने वालों की असलियत भी सामने आएगी।

लिलेश्वर ने बनाया धार्मिक फिल्म जै सीतला मईया 5 सितंबर को होगी रिलीज

- क्यों नही बनी थी शीतला माता पर फिल्म अब तक

रायपुर। संवाददाता

यह बात वाकई सोचने पर विवश करती है कि धरती मे मनुष्यों की बसावट के समय से शीतला माता की मान्यता चली आ रही है. एक ओर जहां हिन्दू देवी देवताओं एवं बड़े बड़े मंदिरों का विस्तार हुआ लेकिन शीतला माता पर किसी का ध्यान नही गया। निर्माता ङ्क लेखक ङ्क अभिनेता ङ्क सिंगर ङ्क गीतकारङ्क संगीतकार ङ्क लिलेश्वर सिन्हा ने बताया कि शीतला माता बहुत सरल देवी है जिनकी कोई विशेष पूजा विधि या कर्मकांड नहीं है. शिव भगवान की तरह शीतला माता भी एक लोटा जल से भक्त पर प्रसन्न हो जाती है। डॉ. पुनीत सोनकर द्वारा निर्देशित बहुचर्चित बहुप्रतीक्षित छत्तीसगढ़ी महान धार्मिक फिल्म जै सीतला मईया के निर्माता अभिनेता लिलेश्वर सिन्हा इस फिल्म में नायक की भूमिका में यह उनका डेब्यू फिल्म है। सुप्रसिद्ध अभिनेत्री सोनाली सहारे नायिका है। सोनाली सहारे अपनी पहली फिल्म बीए फर्स्ट ईयर ही फेमस हिरोइन में शामिल हो गई थी, जिन्होंने सुपर स्टार कारण खान, मन कुरैशी जैसे स्टार के साथ हिट फि़ल्में दे चुकी हैद्य फिल्म जै सीतला मईया मे सोनाली सहारे का नया लुक शीतला माता के भक्त के रूप में दर्शकों को टाकीज की आकर्षित करेगी। इस फिल्म में ष्द्धद्धश्चद्य42श्थस्र के नामचीन कलाकारों का नाम शामिल है। प्रदीप शर्मा, उर्वशी साहू (कचरा बोदरा फेम), राष्ट्रीय नृत्यांगना अनुराधा दुबे, हस्ष्ठ फनकार संजय मैथिल, ज्ञानश्री, शैलेश साव, जानू साहू, संध्या मानिक, जागेश्वरी मेश्राम। जै सीतला मईया फिल्म का सहनिर्माता मीनाक्षी पांडे है। फिल्म के गीत एवं संवाद वरिष्ठ गीतकार श्री घनश्याम ठाकुर का है जो छत्तीसगढ़ के करमा सम्राट के नाम से जाने जाते हैं तथा पांच बार राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित हैं। फिल्म के गीत कर्णप्रिय है जिसे संगीत दिया है।

कौशल तिहार 2025 आठ साल बाद हुई कौशल प्रतियोगिताएं...

- ढाई हजार से अधिक युवाओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए 288 का चयन
- मुख्यमंत्री ने दी बधाई, कहा - युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने और आत्म निर्भर छत्तीसगढ़ की ओर मजबूत कदम

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में करीब 8 साल बाद युवाओं को अपना कौशल दिखाने का मौका मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार ने इस साल कौशल तिहार 2025 के तहत् युवाओं को यह मौका दिया है। राज्य कौशल विकास प्राधिकरण (सीएसएसडीए) द्वारा 21 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक राज्य के सभी जिलों में 10 दिन तक ''कौशल तिहार 2025'' का आयोजन बड़े ही उत्साह और धूमधाम से किया गया। राज्य के सभी जिलों में चयनित प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में कुल 2 हजार 530 युवाओं ने भाग लिया, जिसमें से 288 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। इस आयोजन से प्रदेश के युवाओं को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और रोजगारमुखी बनने की प्रेरणा भी मिली। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास के प्रति जागरूक करना और उन्हें भारत स्किल्स 2026 व वर्ल्ड स्किल्स 2026 जैसी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना था।

सड़क निर्माण की गुणवत्ता में न हो लापरवाही - श्री अरुण साव

जनऔषधियों की कीमतों में कटौती पर मुख्यमंत्री ने जताया आभार

पीएम मोदी के जनहितैषी निर्णय से लाखों लोगों को मिलेगा राहत

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने केंद्र सरकार द्वारा 37 आवश्यक औषधियों के मूल्य में 10 से 15 प्रतिशत तक की कमी किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का यह निर्णय उनके दूरदर्शी और जनकल्याणकारी नेतृत्व की सशक्त अभिव्यक्ति है। यह निर्णय हृदय रोग, मधुमेह, संक्रमण, बुखार और दर्द जैसी आम लेकिन गंभीर बीमारियों से जूझ रहे नागरिकों को बड़ी राहत देगा। उन्होंने कहा कि इस मूल्य कटौती से पैरासिटामोल, एटोरवास्टेटिन, एमोक्सिसिलिन जैसी जीवनरक्षक दवाएं अब और अधिक सुलभ और सस्ती हो सकेंगी। छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी और ग्रामीण बहुल राज्य में यह निर्णय गरीबों, श्रमिकों, किसानों, महिलाओं और वृद्धजनों के स्वास्थ्य हेतु अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के केंद्रों के विस्तार, आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और प्राथमिक से लेकर उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार का निर्णय केवल औषधियों की कीमत घटाने का नहीं, बल्कि आमजन के जीवन स्तर को सशक्त बनाने का भी कदम है।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने करवाई चार महिलाओं की घर वापसी, किया जगन्नाथ सेना का गठन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर धर्मांतरण का मुद्दा राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने 'जगन्नाथ सेना' नामक एक नए संगठन की शुरुआत के साथ इस मुद्दे पर बड़ा कदम उठाया है। मिश्रा ने हाल ही में धर्मांतरण कर चुकीं चार महिलाओं की 'घर वापसी' करवाई और सार्वजनिक रूप से उनके पैर धोकर, शॉल व श्रीफल भेंट कर उन्हें हिंदू धर्म में दोबारा शामिल किया। विधायक मिश्रा ने बताया कि जगन्नाथ सेना हर रविवार सुबह 9 से 11 बजे तक धर्मविरोधी गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाएगी और राज्यभर में जनजागरूकता फैलाने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि उड़िया बस्तियों में धर्मांतरण की खबरें सामने आने के बाद इस संगठन का गठन किया गया है। 'घर वापसी' कार्यक्रम से पहले मिश्रा ने कुंदरापारा से मधुपिल्ले चौक तक पदयात्रा कर धर्मांतरण विरोधी जनजागरण अभियान भी चलाया। मिश्रा ने कहा कि धर्मांतरण की किसी भी सूचना को शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा और मिशनरी गतिविधियों को रोकने में यह संगठन अहम भूमिका निभाएगा।

दिव्यांग बच्चों के संरक्षण पर कार्यशाला का आयोजन.......

रायपुर। पुलिस महानिदेशक अरूणदेव गौतम के पहल पर सेफगार्डिंग इन्टरेस्ट ऑफ चिल्ड्रन विथ डिसेबिलिटिस विषय पर छत्तीसगढ़ पुलिस एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में एकदिवसीय कार्यषाला का आयोजन पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक अजय यादव ने कार्यषाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाल संरक्षण की दिषा में लगातार कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में जिलों में पदस्थ विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) एवं बाल कल्याण पुलिस अधिकारी(सीडब्ल्यूपीओ) सहित अन्य पुलिस अधिकारियों के लिए दिव्यांग बच्चों के अधिकारों के संरक्षण हेतु विषेष कार्यषाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यषाला में एक ओर जहां दिव्यांग बच्चों से संबंधित प्रकरणों की विवेचना कैसी की जानी है वहीं दूसरी ओर पुलिस की संवेदनषीलता ऐसे बच्चों के साथ कैसी होनी चाहिए, इस पर प्रषिक्षण दिया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पुलिस महानिदेषक अरूण देव गौतम ने अपने अतिथिय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में समाज में अत्यधिक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं, जिसमें संयुक्त परिवारों व सामाजिक संस्थाओं का विघटन प्रमुख है, जिसके कारण बच्चों को घर व समाज से वह सर्पोट नही मिल पाता, जिसकी उसे आवष्यकता होती है।

गाँवों से आरंभ हो रही है हरित अर्थव्यवस्था की क्रांति

हरित विकास की दिशा में ग्रामीण क्षेत्रों की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण

- रायपुर स्थित प्रबंधन संस्थान में सम्पन्न हुआ पाँचवाँ भारत ग्रामीण संवाद
- वन विभाग और ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया संस्था के बीच हरित बदलाव के सहयोग हेतु हुआ एमओयू

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में हरित विकास को जनभागीदारी से साकार करने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल करते हुए आज भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर तथा ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया संस्था के संयुक्त आयोजन में पाँचवाँ भारत ग्रामीण संवादङ्ग2025 सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। गाँवों के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की हरित आर्थिक बदलाव की यात्रा विषय जिसमें प्रदेश को हरित दिशा में आगे ले जाने की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यदि गाँवों को केंद्र में रखकर परंपरागत ज्ञान और संसाधनों का सतत उपयोग किया जाए, तो हम पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैविक खेती, सूर्य ऊर्जा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देकर प्रदेश को हरित राज्य बनाया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार इस दिशा में पूर्णतः प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग और ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया संस्था के बीच हरित बदलाव के सहयोग हेतु एक सहमति

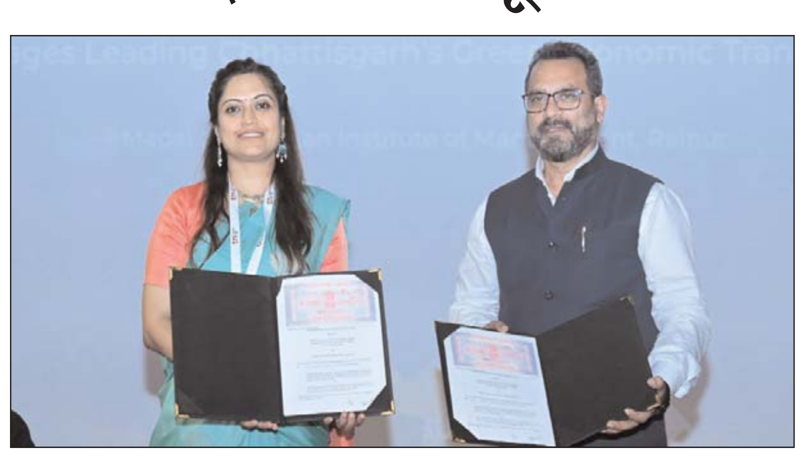

पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। प्रबंधन संस्थान रायपुर द्वारा प्रदेश के हरित विकास के पाँच मुख्य आधार प्रस्तुत किए गए जिसमे परंपरागत खेती और वन संसाधनों का संरक्षण, हरित रोजगार तथा पर्यावरणीय पर्यटन, स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा, सूर्य ऊर्जा आधारित ग्राम-बिजली प्रबंधन में लोगों की भागीदारी और नीति तथा संस्थागत ढाँचे का निर्माण शामिल थे। कार्यक्रम में पंचायती प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, महिलाओं, उद्यमियों और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। सभी ने जल संरक्षण, शिक्षा की गुणवत्ता, पारंपरिक बीजों की कमी, वनों की कटाई, कचरा प्रबंधन और रासायनिक खेती पर निर्भरता जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक वन-समृद्ध राज्य है। यहाँ की प्राकृतिक सम्पदा और जनभागीदारी मिलकर हरित विकास के आदर्श मॉडल की नींव रख सकते हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतें इस हरित बदलाव की धुरी बनेंगी और महिलाओं को इस बदलाव में नेतृत्व की भूमिका दी जाएगी। पंचायत विभाग के सचिव श्री भीम सिंह ने जानकारी दी कि अब पंचायतों का मूल्यांकन जल संरक्षण, स्वच्छता और हरित मानकों के आधार पर किया जाएगा।

संपादकीय

टीआरएफ पर फिर फंसा पाकिस्तान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मॉनिटरिंग रिपोर्ट में पहलगाम हमले में आतंकी संगठन टीआरएफ की भूमिका का जिक्र होने के बाद अब पाकिस्तान के लिए बचने का कोई रास्ता नहीं रह गया है। उसका यह झूठ दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है कि भारत में हुए आतंकवादी हमले से उसका नाता नहीं। यह भारत के लगातार किए गए कूटनीतिक प्रयासों की जीत है। मॉनिटरिंग टीम ने रिपोर्ट में लिखा है कि टीआरएफ ने दो बार हमले की जिम्मेदारी ली और यह अटैक पाकिस्तान की जमीन से संचालित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था। टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसी एफएटीएफ ने भी कुछ दिनों पहले कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला आर्थिक मदद के बिना नहीं हो सकता। पाकिस्तान के लिए दो-दो ग्लोबल एजेंसियों की फाइंडिंग को झुठलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इसलिए है, क्योंकि इसके पीछे भारत ने बहुत मेहनत की है। यूएनएससी को टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया कराई गई - लश्कर के साथ जुड़ाव के सबूत सौंपे गए। पिछले साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डेलिगेशन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सबूत को झुठलाने की कोशिश की और इसमें उसे चीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरोसा था कि एनएससी में चीन बचा लेगा। पिछले दिनों पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने अपने यहां की संसद में दावा किया था कि उन्होंने एनएससी के प्रेस स्टेटमेंट से टीआरएफ का नाम हटवा दिया है। हालांकि इस बार चीन पाकिस्तान का गठजोड़ नाकाम हो गया। यह हार पाकिस्तान के प्रॉक्सी वॉर की भी है। लश्कर-ए-तैयबा घोषित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन है। इस पर कार्रवाई का दबाव बढ़ने के बाद पाकिस्तानने 2019 में टीआरएफ को खड़ा किया था । एलईटी के लड़ाकों और हथियारों का इस्तेमाल कर टीआरएफ आतंक फैलाने में लगा हुआ था। लेकिन, इस बार दुनिया ने उसकी प्रॉक्सी टैक्टिक्स को पहचान लिया। मॉनिटरिंग रिपोर्ट को सुरक्षा परिषद के सभी सदस्य आम सहमति से अपनाते हैं यानी पाकिस्तान अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकता। पिछले कुछ अरसे से कूटनीतिक मोर्चे पर वह घिरता जा रहा है। पहले क्वाड के संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र आया और फिर अमेरिका ने टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया। भारत के लिए यह बिल्कुल सही समय है, जब वह आतंकवाद के प्रायोजक अपने इस पड़ोसी पर शिकंजा और कस सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25त्न टैरिफ लगाकर न केवल द्विपक्षीय संबंधों में खटास पैदा की है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड एकानामी' कह कर अमेरिकी राष्ट्रपति पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। यह बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों को दबाव की राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन भारत का रुख इस बार बिल्कुल अलग रहा। उसने न केवल व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार कर दिया, बल्कि रूस से संबंधों को लेकर अमेरिकी दबाव को भी ठुकरा दिया। इससे ट्रंप का यह दावा भी कमजोर हो गया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर केवल अमेरिकी दबाव और संभावित व्यापार समझौते के लालच में रोका था। भारत के इस रुख के पीछे कई ठोस कारण हैं। दरअसल रूस भारत का दशकों पुराना रणनीतिक साझेदार है, जिसने परमाणु ऊर्जा, रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत को लगातार सहयोग दिया है। आज भी भारत के 60 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण रूसी मूल के हैं और सस्ते रूसी तेल ने भारत को वैश्विक ऊर्जा संकट के समय राहत दी है।

दबाव के आगे नहीं झुक कर मोदी ने ट्रंप का झूठ उजागर किया और रूस से दोस्ती का मान भी रखा

(नीरज कुमार दुबे)

भारत ने यह दिखा दिया है कि वह वैश्विक शक्ति-संतुलन में किसी का मोहरा नहीं बनेगा। रूस के साथ संबंध बचाने के लिए अमेरिकी दबाव को ठुकराना केवल कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत अपने दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा,चाहे कीमत कुछ भी हो।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25त्न टैरिफ लगाकर न केवल द्विपक्षीय संबंधों में खटास पैदा की है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड एकानामी' कह कर अमेरिकी राष्ट्रपति पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। यह बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों को दबाव की राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन भारत का रुख इस बार बिल्कुल अलग रहा। उसने न केवल व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार कर दिया, बल्कि रूस से संबंधों को लेकर अमेरिकी दबाव को भी ठुकरा दिया। इससे ट्रंप का यह दावा भी कमजोर हो गया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर केवल अमेरिकी दबाव और संभावित व्यापार समझौते के लालच में रोका था।

भारत के इस रुख के पीछे कई ठोस कारण हैं। दरअसल रूस भारत का दशकों पुराना रणनीतिक साझेदार है, जिसने परमाणु ऊर्जा, रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत को लगातार सहयोग दिया है। आज भी भारत के 60 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण रूसी मूल के हैं और सस्ते रूसी तेल ने भारत को वैश्विक ऊर्जा संकट के समय राहत दी है। अमेरिका की पैनल्टी झेलने और राष्ट्रपति की नाराजगी का जोखिम उठाकर भी भारत रूस के साथ संबंध बचाने को तैयार है, क्योंकि यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का मूलभूत हिस्सा है।

देखा जाये तो वैश्विक राजनीति पर इसका बड़ा असर पड़ेगा क्योंकि भारत का यह संदेश स्पष्ट है कि वह किसी भी महाशक्ति के दबाव में अपनी विदेश नीति नहीं बदलेगा। इस कदम से न केवल भारत की कूटनीतिक साख बढ़ी है, बल्कि दुनिया के अन्य मध्यम और छोटे देशों को भी यह विश्वास मिला है कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में दबाव की राजनीति को चुनौती दी जा सकती है। दूसरी ओर, अमेरिका के लिए यह स्थिति असहज है। भारत उसके लिए इंडो फेसिफ रणनीति का प्रमुख साझेदार है और ट्रंप की बयानबाजी व टैरिफ की नीति इस भरोसे को कमजोर कर सकती है। यदि अमेरिका भारत जैसे लोकतांत्रिक साझेदार को अपमानित करता है, तो वह चीन और रूस के खिलाफ बने गठबंधनों में अपनी स्थिति कमजोर कर लेगा। ट्रंप की यह टिप्पणी उनके उस लंबे इतिहास से मेल खाती है जिसमें वे अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को केवल व्यापार और अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के नजरिए से देखते हैं। भारत के टैरिफ और रूस के साथ उसके संबंधों पर सवाल उठाना एक अलग विषय है, लेकिन इन मुद्दों को हल करने का रास्ता अपमानजनक भाषा नहीं, बल्कि परिपक्व वार्ता है। भारत सरकार ने सही कहा है कि वह राष्ट्रीय हित से समझौता नहीं करेगी।

भारत ने यह दिखा दिया है कि वह वैश्विक शक्ति-संतुलन में किसी का मोहरा नहीं बनेगा। रूस के साथ संबंध बचाने के लिए अमेरिकी दबाव को ठुकराना केवल कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत अपने दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा- चाहे कीमत कुछ भी हो। ट्रंप

की ओर से टैरिफ लगाये जाने की चेतावनियों के बावजूद भारत ने न तो रूस से ऊर्जा खरीद कम की है और न ही रक्षा सहयोग में कोई कटौती की है। यह रुख बताता है कि भारत अपनी विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। ट्रंप का अतिरिक्त शुल्क भारत को रूस से दूर करने की कोशिश है। लेकिन यह रणनीति अब तक विफल रही है। दरअसल अमेरिका यह दिखाना चाहता है कि जो देश रूस के साथ व्यापार करेंगे, उन्हें दंडात्मक कार्रवाई झेलनी पड़ेगी। यह संदेश चीन जैसे देशों के लिए भी है, जो रूसी तेल के बड़े खरीददार हैं। भारत का रूस के साथ संबंध मजबूत रखना अमेरिका के लिए चिंता का विषय है इसलिए वह चाहता है कि भारत क्वाड में मजबूत हो मगर इंडो फैसिफ रणनीति के तहत रूस से दूरी बनाए।

मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह साफ कर दिया है कि भारत किसी के दबाव में अपने रणनीतिक निर्णय नहीं बदलेगा। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं हो पाने का बड़ा कारण यही है कि भारत ने कृषि, डेयरी और टैरिफ में अपनी शर्तों से समझौता करने से इंकार कर दिया है। साथ ही भारत ने दिखा दिया है कि रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा संबंध केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक महत्व रखते हैं। देखा जाये तो अमेरिका के आगे नहीं झुक कर भारत की वैश्विक स्थिति तेजी से मजबूत हो रही है। अमेरिका की पेनल्टी के बावजूद भारत पर दबाव काम नहीं कर रहा, जो यह दिखाता है कि भारत अब वैश्विक मंच पर एक स्वतंत्र शक्ति है।

साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप के दबाव और अपमानजनक बयानों के आगे न झुककर विश्व राजनीति को एक स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया है। भारत अब किसी का जूनियर पार्टनर नहीं है, बल्कि वैश्विक मंच पर एक आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानी शक्ति है। मोदी सरकार ने साफ शब्दों में कहा है कि वह राष्ट्रीय हित से समझौता नहीं करेगी और किसी भी व्यापारिक समझौते में किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई के हित सर्वोपरि रहेंगे। यह रुख बताता है कि भारत अब केवल आर्थिक या कूटनीतिक दबावों के आधार पर निर्णय नहीं लेता।

यह कदम केवल अमेरिका को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि भारत अपनी शर्तों पर साझेदारी करता है। चाहे ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के साथ संबंध हों या पश्चिमी देशों के साथ व्यापार समझौते- भारत संतुलन बनाए रखने में सक्षम है और दबाव के आगे झुकने वाला देश नहीं है। इसका सबसे बड़ा महत्व यह है कि भारत ने यह दिखा दिया है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में उसका स्थान स्थायी और स्वतंत्र है। अमेरिका, चीन, रूस या कोई अन्य महाशक्ति अब भारत को केवल एक 'निर्भर सहयोगी' की तरह नहीं देख सकती। यह आत्मविश्वास भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत, सामरिक क्षमताओं और वैश्विक कूटनीतिक साख का प्रमाण है।

जहां तक यह सवाल है कि भारत-रूस संबंधों पर क्यों खफा हैं ट्रंप? तो आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले भारत का रूस से तेल आयात कुल आयात का 2 प्रतिशत से भी कम था, जो जून 2024 तक 40 प्रतिशत से अधिक हो गया है। इसके अलावा, रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता है और कम कीमत, लचीली शर्तों व संवेदनशील तकनीक उपलब्ध कराने के कारण यह संबंध भारत के लिए रणनीतिक हैं। साथ ही रूस लंबे समय से भारत का परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में साझेदार रहा है। इन संबंधों ने अमेरिका को असहज कर दिया है, खासकर तब जब पश्चिमी देश रूस को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप ने टैरिफ को लेकर भारत पर जिस तरह हमला बोला है उससे उनका ही पुराना दावा कमजोर पड़ गया है। हम आपको बता दें कि ट्रंप लगातार यह कह रहे हैं कि 10 मई को मोदी सरकार ने उनके दबाव में पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोक दिया था, क्योंकि उन्होंने धमकी दी थी कि यदि भारत ने कार्रवाई नहीं रोकी तो अमेरिका भारत के साथ व्यापार बंद कर देगा। लेकिन भारत पर टैरिफ लगा कर ट्रंप ने अप्रत्यक्ष रूप से अपने दावे का सच उजागर कर दिया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत पर किसी वैश्विक नेता ने हमले रोकने का दबाव नहीं डाला था। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के हवाई ठिकानों पर भारतीय वायुसेना की भीषण बमबारी ने इस्लामाबाद को 10 मई को शांति के लिए मजबूर किया था। इससे पहले भी भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि व्यापार समझौते या टैरिफ का पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने से कोई संबंध नहीं था। भारत ने यह भी बार-बार कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापार को जोड़ना अनुचित है।

जहां तक यह सवाल है कि अमेरिका के साथ समझौते को लेकर भारत क्यों नहीं झुका? तो आपको बता दें कि अमेरिका ने पिछले कुछ महीनों में यूरोपीय संघ, जापान, ब्रिटेन और वियतनाम को अमेरिकी वस्तुओं के लिए अपने बाजार खोलने पर मजबूर किया, जिसके बदले टैरिफ कम किए गए। लेकिन भारत इस समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ। इसके पीछे कई कारण थे। दरअसल भारत अमेरिकी मांगों के अनुरूप कृषि और डेयरी उत्पादों में रियायत देने को तैयार नहीं था। इसके अलावा, भारत चाहता है कि अमेरिका कपड़ा, चमड़ा, फुटवियर और ऑटो पार्ट्स पर पर्याप्त टैरिफ कटौती करे, लेकिन अमेरिका इसके लिए तैयार नहीं था। साथ ही भारत ने अमेरिकी स्तूल, उर्वरक और रक्षा उपकरण की अधिक खरीदारी के लिए संकेत दिए, लेकिन अमेरिकी मांगें लगातार बढ़ती गईं। इसलिए मोदी सरकार का स्पष्ट रुख था कि वह किसी भी 'औसत दर्जे के समझौते' के लिए तैयार नहीं होगी।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका चाहता है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं के लिए अपने बाजार खोले और रूस से रक्षा व ऊर्जा खरीद में कटौती करे। लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हित और बाजार क्षमता का इस्तेमाल कर अमेरिका को झुकाने की कोशिश कर रहा है। यह टकराव दीर्घकालिक व्यापार युद्ध का रूप भी ले सकता है, जिससे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं। भारत को अब अपनी निर्यात रणनीति और विकल्प बाजारों को मजबूत करना होगा।

शतरंज के वैश्विक बोर्ड पर भारत का दिव्य अधिकार

(मृत्युंजय दीक्षित)

नागपुर की रहने वाली 19 वर्षीया दिव्या देशमुख भविष्य में कई युवाओं को उसी प्रकार से खेल के प्रति उत्साहित करने में सक्षम हो गई हैं जैसे कि भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा कर रहे हैं। दिव्या के पिता डा. जितेंद्र और माता नम्रता देशमुख दोनों ही चिकित्सक हैं।

वैश्विक शतरंज में वर्ष 2025 एक ऐसी दिव्य उपलब्धि लेकर आया है जिसे तब तक स्मरण किया जाएगा जब तक वैश्विक मंच पर शतरंज खेला जाएगा और शतरंज के प्रेमी रहेंगे। भारत की 88वीं ग्रेंड मास्टर बनीं 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने जार्जिया के बाटुमी में हुए फिडे महिला शतरंज विश्व कप प्रतियोगिता में अपने ही देश की कोनेरू हंपी को पराजित करते हुए इतिहास रच दिया। इसके साथ ही दिव्या

शतरंज के खेल की नई सनसनी बन गई हैं। अभी तक दिव्या को 15वी वरीयता प्राप्त थी किंतु दृढ़ता और ओपनिग की तैयारियों ने दिव्या को चैंपियन बना दिया है।

नागपुर की रहने वाली 19 वर्षीया दिव्या देशमुख भविष्य में कई युवाओं को उसी प्रकार से खेल के प्रति उत्साहित करने में सक्षम हो गई हैं जैसे कि भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा कर रहे हैं। दिव्या के पिता डा. जितेंद्र और माता नम्रता देशमुख दोनों ही चिकित्सक हैं। दिव्या ने सबसे पहले 2012 में अंडर-सात में राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। दिव्या ने 214 में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में अंडर 10 और 2017 में ब्राजील में अंडर -12 वर्ल्ड यूथ खिताब जीते। वह 2021 में विदर्भ क्षेत्र की पहली महिला ग्रैंड मास्टर बनीं। उन्होंने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर की प्रतियोगिता जीती। फिर उन्होंने ग्रैड मास्टर आर. बी. रमेश के मार्गदर्शन में चेन्नई के शतरंज गुरूकुल में अपनि प्रतिभा का परिचय दिया।

दिव्या शतरंज ओलम्पियाड में तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता हैं। दिव्या ने एशियन चैम्पियनशिप और वर्ल्ड जूनियर चैम्पियनशिप में भी स्वर्णपदक जीता। दिव्या ने वर्ष 2024 में बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलम्पियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया और वर्ल्ड टीम रैपिड और बिल्ट्ज शतरंज प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन किया। दिव्या की बड़ी बहन बैडमिंटन खेलने के लिए जाती थीं और उनके साथ दिव्या भी जाती थी किंतु उन्हें शतरंज में रूचि थी और वे उसी में रम गईं आज वह शतरंज की सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ी हैं।

वर्ष 2025 में दिव्या ने चीन की 22 वर्षीय ग्रैंडमास्टर झू जिनर को हराकर शानदार जीत हासिल की, वहीं दूसरी भारतीय महिला खिलाडी कोनेरू हंपी ने भी चीनी खिलाड़ी को ही हराकर फिडे शतरंज विश्वकप में चीन का दबदबा ध्वस्त कर दिया है। यह भारत के लिए बड़ी अभूतपूर्व दोहरी सफलता रही है कि फिडे विश्व कप के फाइनल में दोनों ही खिलाड़ी भारतीय रहे।

अब विश्व शतरंज में भारत की धमक बढ़ रही है और भारत के खिलाड़ी देश का ध्वज शतरंज के बोर्ड पर लहरा रहे हैं। इससे पूर्व पुरुष शतरांज में 18 वर्षीय डी. गुकेश ने चीन के डिग लिरेन को हराकर कीर्तिमान रचा था। उनकी यह उपलब्धि सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि ही नहीं थी अपितु भारतीय शतरांज की एक बड़ी छ्लांग थी। विगत वर्ष सितंबर माह में ही भारत ने बुडापेस्ट में हुए 45वें शतरंज ओलम्पियाड में भी शानदार प्रदर्शन किया थ जिसमें महिला और पुरुष दोनों ही टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गर्व से भर दिया था। भारत के कई अन्य ग्रैंड मास्टर भी वैश्विक जगत में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। जिसमें आर. प्रगनानंद, विदित गुजराती, अर्जुन ऐरिगिसी, आर वैशाली और डी. हरिका जैसे युवा खिलाड़ी प्रमुख हैं।

आज पूरा भारत शतरंज की दुनिया में अपनी बेटियो की सफलता पर गर्व का अनुभव कर रहा है। भविष्य में यही युवा खिलाड़ी अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्वर बनने जा रहे हैं। अब शतरंज के आकाश पर भारत का राज स्थपित हो रहा है। यह पल भारत के लिए बेहद गर्व के पल हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हिंसक भाषा बोध के बीच भाषायी सहिष्णुता की अपील

आमची मराठी बोध को लेकर जारी सियासी खींचतान के बीच आए राज्यपाल के बयान को लेकर विवाद नहीं होता तो ही आश्चर्य होता। मराठी स्वाभिमान के बहाने हिंदीभाषियों से हिंसा का समर्थक रही महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे हो या फिर शिवसेना-उद्धव ठाकरे, दोनों के नेता राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के विरोध में उतर आए हैं। शिवसेना-उद्धव के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा है कि मराठी महाराष्ट्र में नहीं बोली जाएगी तो क्या भूटान में बोली जाएगी। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा है कि राज्यपाल को मराठी स्वाभिमान और मराठी भाषा के अपमान में अंतर समझना चाहिए।

(उमेश चतुर्वेदी)

महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं। राज्य की कोयंबटूर राज्यपाल एक तरह से राज्य का प्रथम नागरिक होता है। इस नाते राज्य में कोई समस्या हो तो उसे रोकने के लिए हस्तक्षेप करना उसकी जिम्मेदारी बनती है।

आमची मराठी बोध को लेकर जारी सियासी खींचतान के बीच आए राज्यपाल के बयान को लेकर विवाद नहीं होता तो ही आश्चर्य होता। मराठी स्वाभिमान के बहाने हिंदीभाषियों से हिंसा का समर्थक रही महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे हो या फिर शिवसेना-उद्धव ठाकरे, दोनों के नेता राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के विरोध में उतर आए हैं। शिवसेना-उद्धव के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा है कि मराठी महाराष्ट्र में नहीं बोली जाएगी तो क्या भूटान में बोली जाएगी। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा है कि राज्यपाल को मराठी स्वाभिमान और मराठी भाषा के अपमान में अंतर समझना चाहिए।

सीपी राधाकृष्णन भले ही तमिलभाषी हों, लेकिन मराठी गौरवबोध के बहाने जारी भाषा विवाद में हस्तक्षेप करके उन्होंने एक तरह से अपने दायित्वबोध को ही जाहिर किया है। तमिलनाडु के कोयंबटूर से दो बार लोकसभा सदस्य रहे राधाकृष्णन आपसी बातचीत में मानतेरहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय व्याप्ति के लिए हिंदी का सहयोग जरूरी है। इन पंक्तियों के लेखक से कई बार उन्होंने हिंदी सिखाने की अपील की है। यह बात और है कि हिंदी के कुछ शब्दों के अलावा कुछ ज्यादा नहीं सीख पाए। तमिलनाडु के राजनीतिक हलकों में उन्हें तमिल मोदी कहा जाता रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हिंदी के कटु विरोध के लिए जानी जाती रही है। 1968 में तमिलनाडु में हिंदी को राजभाषा बनाने के खिलाफ हिंसक आंदोलन हो चुका है। राधाकृष्णन ने उस आंदोलन की हिंसक तपिश को महसूस किया है। इसके बावजूद हिंदी सीखना उनकी चाहत रही है। हिंदी विरोध की आंच में पली-बढ़ी तमिलनाडु की एक पूरी पीढ़ी आपसी बातचीत में मानती है कि उसने क्या खोया है। वह पीढ़ी अब प्रौढ़ावस्था के उतरार्ध की ओर बढ़ रही है। वह मानती है कि अगर हिंदी विरोध की आंच से झुलसने का उसे अंदाजा होता तो हिंदी के विरोध में वह अपनी जिंदगी और अपने सपनों को होम नहीं करती।

राज्यपाल ने वैसे कुछ ऐसा नहीं बोला है, जिसे तूल दिया जा सके। उन्होंने कहा है कि किसी को पीटने के बाद क्या वह तत्काल मराठी बोलने लगेगा। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना

में है। सीपी राधाकृष्णन 1998 और 1999 में लगातार दो बार कोयंबटूर से चुने गए थे। उन दिनों वे तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष भी रहे। उसी दौर की एक घटना का जिक्र उन्होंने अपने बयान में किया है। इस बयान में उन्होंने कहा है कि एक बार वे तमिलनाडु में कहीं जा रहे थे तो तमिल न बोलने के चलते कुछ हिंदीभाषी लोगों के साथ स्थानीय भाषा आंदोलनकारी मारपीट कर रहे थे। जिसके लिए उन्होंने हिंदीभाषियों से माफी मांगी और तमिल बोलने की जिद करने वाले लोगों से कहा था कि क्या उनके हाथों पिट जाने के बाद कोई तत्काल तमिल बोल पाएगा।

भारत की हर भाषा का सम्मान हो, हर भाषा को बोलने वालों का सम्मान हो, इस सोच को बढ़ावा देने की जरूरत है। भारत की हर भाषा एक-दूसरे से जुड़ी है। भारत की भाषाएं आपस में बहनें हैं। इनके बहनापा को बढ़ावा देने की जरूरत है। कोई भाषा श्रेष्ठ है या कोई भाषा कमजोर है, इसकी तुलना भी बेमानी है। बहुभाषी भारत में एक कहावत पूरी शिद्दत से कही जाती है कि कोसृ-कोस पर पानी बदले, तीन कोस पर बानी। इसका आशय साफ है कि कुछ ही दूरी पर भाषा का स्वरूप बदल जाता है। लेकिन क्या व्यक्ति इसका व्यवहार करना छोड़ देता है,क्या कुछ दूरी पर बदली भाषा से वह घृणा करने लगता है। भाषाओं की दुनिया किसी राष्ट्र की चौहद्दी नहीं हैं कि बाड़ लगाकर उन्हें रोक दिया जाएगा, भाषाओं का समाज नदी के पाट की तरह भी नहीं है कि उनके किनारों को बांध बनाकर रोक दिया जाएगा और उसके पानी को नियंत्रित कर लिया जाएगा। दरअसल भाषाएं नदी के प्रवाह की तरह हैं। जिस तरह हर नदी का अपना प्रवाह है, उसके प्रवाह की अपनी ध्वनि है, कुछ ऐसा ही हाल हर भाषा का है। लेकिन तमिल हो या मराठी, उन्हें बेहतर मानने और बाकी भाषाओं को कमतर समझने की सोच सही नहीं है। हर भाषा उसे बोलने वाले मूल धारा के व्यक्ति के लिए उसकी अभिव्यक्ति का श्रेष्ठ साधन है। राज्यपाल के बयान का मकसद भाषाओं की दुनिया की इसी खूबसूरती से परिचित करना और उनके गौरवबोध से लोगों का परिचय कराना है।

महाराष्ट्र में मराठी बोली जाए या तमिलनाडु में तमिल का व्यवहार बाकी भाषाओं की तुलना में बेहतर हो, इससे भला किसी को क्यों इनकार होगा। लेकिन मराठी और तमिल को बेहतर बताने और हिंदी को कमतर बताने की सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हिंदी ही क्यों, बाकी भारतीय भाषाओं को कमतर बताना भी उचित नहीं होगा।

भाषा को लेकर गौरवबोध होना तो ठीक है, लेकिन अपनी भाषा के गौरवबोध को कथित तौर पर स्थापित करने के लिए हिंसा का सहारा लेना या जबरदस्ती करना उचित नहीं है। ऐसा करना एक तरह से कानून-व्यवस्था का मामला बन जाता है। ऐसे में राज्यपाल का यह कहना उचित ही है कि कानून-व्यवस्था ठीक नहीं रहेगी तो निवेशक राज्य में आने से बचेंगे, निवेश घटेगा तो राज्य में उत्पादक इकाइयां कम होगीं, इससे रोजगार घटेगा और राज्य का राजस्व भी। भाषा की राजनीति को इन तथ्यों को भी समझना होगा। उसे देखना होगा कि भाषा के प्रति प्यार और स्नेह अराजकता का जरिया ना बने। भाषा को लेकर आक्रामक राजनीति करने वाले दलों को भी समझना होगा कि भाषाई स्वाभिमान के नाम पर होने वाली जबरदस्ती अंततः दूसरे पक्ष को भी उकसाती है। सोचिए, अगर हर भाषाभाषी अराजक ढंग से अपने भाषायी गौरवबोध को उभारने और उसे अभिव्यक्ति देने लगे तो क्या होगा ? अराजकता का तीव्र विस्फोट होगा और उससे अंततः राष्ट्र की नींव में सुराखें बनने लगेंगीं। जिसकी बुनियाद पर राष्ट्र का खड़े रह पाना कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन संदर्भों में भी देखा और समझा जाना चाहिए।

राज्यपाल ने ठीक ही कहा है कि हमें ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखनी चाहिए, अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए। इसे लेकर कोई समझौता भी नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं है कि हम किसी और की मातृभाषा से नफरत करें। भाषाओं के नाम पर अराजक होने की बजाय जरूरत इस बात की है कि हम एक-दूसरे की भाषा ही नहीं, उसके समूचे अस्तित्व के प्रति सहिष्णु होना चाहिए। तुच्छ और तात्कालिक राजनीतिक फायदे के लिए भाषा के नाम पर सहिष्णुता का यह पुल एक बार टूटा तो उसे फिर से स्थापित कर पाना बेहद कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन्हीं संदर्भों में देखा, परखा और समझा जाना चाहिए।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाही से छेड़छाड़ और रिश्वत मामले में 12 साल की नजरबंदी की सजा

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाहों से छेड़छाड़ और रिश्वत देने के मामले में 12 साल की नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) की सजा सुनाई गई है। यह फैसला शुक्रवार को आया और इसे देश के इतिहास का एक अहम कानूनी मुकदमा माना जा रहा है, जिसने इस दक्षिण अमेरिकी नेता की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है। उरीबे को सोमवार को दोषी ठहराया गया था और उन्हें 12 साल तक जेल की सजा हो सकती थी, लेकिन अदालत ने उन्हें घर में नजरबंद रखने का आदेश दिया। यह मामला 1990 के दशक में अर्धसैनिक (पैरामिलिट्री) समूहों से कथित संबंधों को लेकर शुरू हुआ, जहां आरोप है कि उरीबे ने उन गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की जो उनके खिलाफ बयान दे रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति ने खुद को निर्दोष बताया है और इस पूरे मामले को राजनीतिक साजिश कहा है। उन्होंने फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देने की बात कही है। सजा सुनाए जाने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि संकट के समय हमें समस्या से ज्यादा उसके समाधान पर ध्यान देना चाहिए। उरीबे ने 2002 से 2010 तक अमेरिका के मजबूत समर्थन के साथ कोलंबिया पर शासन किया। वे आज भी देश में एक विवादित व्यक्तित्व हैं–कुछ लोग उन्हें देश को अराजकता से बचाने वाला मानते हैं, तो कुछ उन्हें मानवाधिकार हनन और अर्धसैनिक हिंसा से जोड़ते हैं।

अल-सल्वाडोर में राष्ट्रपति कार्यकाल 6 साल तक बढ़ा

सान साल्वाडोर, एजेंसी। अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले की पार्टी ने देश की संसद में संवैधानिक बदलावों को मंजूरी दे दी है। इनके तहत राष्ट्रपति पद के लिए बेमुद्दत पुनर्निर्वाचन व पद कार्यकाल छह साल तक बढ़ जाएगा। न्यू आइडियाज पार्टी की सांसद एना फिगेरोआ ने संविधान के 5 अनुच्छेदों में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। मतदान 57 मतों के पक्ष में और तीन मतों के विरोध में पारित हुआ।

पाकिस्तान में 40 डाकुओं का चौकी पर हमला, 5 मौतें

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक पुलिस चौकी पर भारी हथियारों से लैस दर्जनों डाकुओं के हमले में विशिष्ट बल के पांच पुलिसकर्मी मारे गए। पुलिस महानिरीक्षक उस्मान अनवर ने कहा, रॉकेट लॉन्चर और ग्रेनेड से लैस लगभग 40 डाकुओं ने बृहस्पतिवार की रात रहीम यार खान स्थित शेखानी पुलिस चौकी पर हमला किया। पंजाब पुलिस विशिष्ट बल के मारे गए 5 पुलिस अधिकारियों में तीन बहावलनगर के व दो अन्य रहीम यार खान के थे। जवाबी गोलीबारी में एक डाकू भी मारा गया।

पाकिस्तान में पटरी से उतरी एक्सप्रेस ट्रेन, 29 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रेल हादसा होने के बाद कई यात्री घायल हो गए। शेखुपुरा जिले के काला शाह काकू क्षेत्र में इस्लामाबाद एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई। इस दुर्घटना में कम से कम 29 यात्री घायल हुए। हादसा एक रासायनिक संयंत्र के पास हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। पंजाब रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता फारूक अहमद ने बताया कि शुक्रवार को शाम लगभग 7:32 बजे रेल हादसे की सूचना मिली।

कुरिल द्वीप समूह में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया

टोक्यो, एजेंसी। कुरिल द्वीप समूह में शुक्रवार देर रात 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप शुक्रवार रात 11:50 बजे (भारतीय समय) आया। ये भूकंप 32 किलोमीटर की गहराई पर आया था। कुरील द्वीप जापान के होक्काइदो द्वीप से लेकर रूस के कामचटका प्रायद्वीप तक फैला हुआ है। कामचटका में 30 जुलाई 8.8 तीव्रता का भूकंप आया था। ये दुनिया का छठा सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जा रहा है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, इस बड़े भूकंप के बाद 16 घंटों में रूस के पास 125 छोटे भूकंप (4.4 या उससे अधिक तीव्रता) आए, जिनमें तीन 6.0 या उससे अधिक तीव्रता के थे।

रूस के पास 2 एटमी पनडुब्बियां तैनात करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच शुक्रवार को रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियां तैनात करने का आदेश दिए। साथ ही गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि पनडुब्बियां कहां तैनात की जाएंगी।

ट्रम्प ने अपने इस कदम के पीछे रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी को जिम्मेदार बताया। साथ ही ट्रम्प ने मेदवेदेव के परमाणु हमले की धमकी पर कहा कि- अमेरिका रूस के परमाणु खतरों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। दरअसल, मेदवेदेव ने एक्स पर कहा था- हम इजराइल या ईरान नहीं हैं। ट्रम्प की ओर से दिया गया हर नया अल्टीमेटम युद्ध की धमकी माना जाएगा। उन्होंने ट्रम्प को याद दिलाते हुए कहा था- रूस के पास सोवियत संघ के समय से परमाणु हमले डेड हैंड की क्षमता है।

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सिक्योरिटी काउंसिल के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी की वजह से मैंने रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है, ताकि भड़काऊ बयान सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रहे। शब्द बहुत कीमती होते हैं और कई बार अनजाने में गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह ऐसा मामला नहीं होगा।

ट्रम्प ने बताया डेड इकोनॉमी तो रूस ने डेड हैंड की याद दिलाई ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। उन्होंने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या।

इसके जवाब में रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति घबरा गए हैं।

मेदवेदेव ने टेलीग्राम पर लिखा था- ट्रम्प को डेड हैंड की खतरनाक ताकत याद रखनी चाहिए, भले ही यह अब मौजूद नहीं है। अगर रूस के पूर्व राष्ट्रपति के कुछ शब्दों से अमेरिका के शक्तिशाली राष्ट्रपति इतना घबरा जाते हैं तो रूस का रास्ता बिल्कुल सही है। हम अपने रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे। सोवियत यूनियन ने 1980 के दशक में एक ऑटोमैटिक परमाणु रिटेलिएशन सिस्टम बनाया था, जिसे डेड हैंड कहते हैं। इसे पेरिमीटर सिस्टम भी कहते हैं। रूस की पूरी लीडरशिप के मारे जाने पर ये सिस्टम अपने आप परमाणु हथियार लॉन्च कर सकता है। यह सिस्टम अब भी एक्टिव स्टैंडबाई मोड में माना जाता है। मतलब अगर अमेरिका ने रूस पर हमला किया और रूस के नेता मारे गए, फिर भी ये सिस्टम अमेरिका पर हमला कर देगा। ट्रम्प ने मेदवेदेव को असफल पूर्व राष्ट्रपति कहा था इससे पहले भी मेदवेदेव ने ट्रम्प पर निशाना साधते हुए कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति की रूस को धमकी युद्ध शुरू कर सकती है। यह रूस और यूक्रेन के बीच नहीं, बल्कि अमेरिका के साथ होगा। उन्होंने ट्रम्प को स्लीपी जो (जो बाइडेन) की राह न अपनाने की भी सलाह दी थी।

चीन की भारत के खिलाफ नई साजिश बेनकाब ! पाकिस्तान-बांग्लादेश में कराई खुफिया एयरफोर्स डील

बीजिंग , एजेंसी। भारत के लिए एक नई सुरक्षा चुनौती सामने आई है। खुफिया एजेंसियों के एक बड़े खुलासे में पता चला है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश अपनी वायु सेनाओं के बीच एक गुप्त समझौता करने की तैयारी में हैं। इंटरसेप्ट की गई बातचीत से पता चलता है कि पाकिस्तान की वायु सेना और बांग्लादेश की वायु सेना एयरक्राफ्ट और ड्रोन तकनीक को लेकर आपसी साझेदारी बढ़ाने पर काम कर रही हैं। न्यूज18 की रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 19 अप्रैल के बीच इस्लामाबाद और ढाका के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के बीच यह गुप्त बातचीत हुई। इसमें मॉड्यूलर और मानव रहित मिशन प्रशिक्षकों के संयुक्त विकास पर चर्चा की गई।

माना जा रहा है कि पाकिस्तान चीन की मदद से अपनी ड्रोन तकनीक को और मजबूत कर ढाका को यह तकनीक ट्रांसफर कर रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सामरिक एयर डेटा लिंक सिस्टम को भी एकीकृत करने की बात हो रही है। इससे बांग्लादेश की वायु सेना को दूसरे देशों की सेनाओं के साथ मिलकर काम करने और सटीक स्ट्राइक कोऑर्डिनेशन की ताकत मिलेगी। ऐसे में भारत की पूर्वी वायु कमान के लिए

यह खतरे की घंटी मानी जा रही है।

खुफिया सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच अंतरिक्ष सहयोग पर भी बातचीत हुई है, जिसमें शुरुआती टोही और सैटेलाइट-आधारित ट्रैकिंग क्षमताओं के विकास की बात सामने आई है। इसमें चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी जैसे तीसरे पक्ष की भागीदारी से भी इनकार नहीं किया जा सकता।इसके अलावा दोनों देश फ्लाइट सिमुलेशन के लिए एआर और वीआर सिस्टम पर भी साथ मिलकर काम कर सकते हैं ताकि युद्ध के हालात का रियल टाइम अभ्यास किया जा सके। रक्षा सूत्रों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान और बांग्लादेश ड्रोन-रोधी तकनीक और साइबर सिक्योरिटी सिस्टम पर भी मिलकर काम कर रहे हैं। पाकिस्तान ने ढाका को मैलवेयर से सुरक्षा और आक्रामक साइबर ट्रेनिंग मॉड्यूल देने की पेशकश की है। खुफिया लीक रिपोर्ट में सबसे सनसनीखेज बात यह है कि पाकिस्तान ने बांग्लादेश में राजनीतिक साजिश की भी योजना बनाई है। सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को हटाकर किसी सैन्य समर्थक शख्स को सत्ता में बैठाने की फुसफुसाहट भी इस बातचीत में हुई।

एआई की दुनिया में चीन का कमाल, पहली बार रोबोट को पीएचडी में मिला दाखिला

बीजिंग, एजेंसी। एआई और रोबोटिक्स की तकनीक में हर रोज एक नया विस्तार देखने को मिल रहा है। एआई पर दुनिया के कई देशों में काम हो रहा है, तो वहीं इसकी मदद से चीन एक से बढ़कर एक नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि हाल के दिनों में ऐसा देखने को मिला है।

दरअसल, चीन में पहली बार दुनिया के किसी एआई रोबोट को पीएचडी में दाखिला दिया गया है। इस रोबोट का नाम जुएबा 01 है, जो चार साल का पीएचडी प्रोग्राम करने जा रहा है। खबर के सामने आने के बाद लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

दुनिया का पहला एआई रोबोट, जो पीएचडी करेगा: चीन के जुएबा नाम के एआई रोबोट का दाखिला चार साल के पीएचडी कार्यक्रम में कराया गया है। जुएबा नामक इस रोबोट को वर्ल्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

कॉन्फ्रेंस के दौरान डॉक्टरेट करने के लिए चुना गया है। बता दें कि ये रोबोट अगले चार साल के लिए शंघाई थिएटर एकेडमी में पीएचडी करेगा।

जानकारी के अनुसार, इस रोबोट को बनाने में शंघाई यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और ड्रॉइडअप रोबोटिक्स की खास भूमिका रही है। बताया जा रहा है कि जुएबा चीनी ओपेरा पर रिसर्च करेगा।

इंसानों जैसे दिखने वाले इस रोबोट की खासियत: बता दें कि ये एक ह्यूमनॉइड रोबोट है। यह देखने में बिल्कुल किसी इंसान जैसा लगता है। इसकी स्किन सिलिकॉन से बनी है। इतना ही नहीं इस रोबोट के चेहरे के भाव इंसानों के जैसे ही हैं। रोबोट का वजन 30 किलोग्राम के करीब है। वहीं, इसकी लंबाई करीब 1.75 मीटर की है। इस साल सितंबर के महीने में इस रोबोट का ऑफिशियली दाखिल पीएचडी में होगा।

सुनसान जगहों पर ना जाएं, आयरलैंड में भारतीयों को किया गया सावधान?

डबलिन , एजेंसी। आयरलैंड में भारतीय समुदाय के लोगों पर हमलों को देखते हुए डबलिन स्थित भारतीय दूतावास ने वहां रहने वाले भारतीयों के लिए सुरक्षा सलाह जारी की है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक

पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि आयरलैंड में भारतीयों पर हो रहे हमलों में बढ़ोतरी हुई है। दूतावास इस मामले को लेकर आयरलैंड प्रशासन के संपर्क में है। वहीं दूतावास ने भारतीयों से कहा है कि वे सुनसान इलाकों में अकेले जाने से बचें। दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए इमर्जेंसी नंबर भी जारी किया है। यह परामर्श 19 जुलाई को डबलिन के तलाग्ट उपनगर में पार्कहिल रोड पर 40 वर्षीय एक भारतीय व्यक्ति पर हुए हमले के बाद जारी किया गया है। स्थानीय लोगों ने इस हमले को 'विवेकहीन, नस्ली हिंसा' बताया है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, पीड़ित कुछ सप्ताह पहले ही आयरलैंड पहुंचा था, जब तलाग्ट के पार्कहिल रोड पर उस पर हमला हुआ। जानकारी के मुताबिक भारतीय नागरिक के चेहरे पर कई बार चाकू से वार किया गया था। इसके बाद उसे नग्न करके छोड़ दिया गया। वह कई घंटे तक बेसहारा पड़ा रहा और उसका खून बहता रहा।इसके बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन होने लगे। भारतीय, पाकिस्तानी और बांग्लादेशी समेत आयरिश नागरिकों ने भी इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया और न्याय की मांग की। आयरलैंड में पुलिस को 'गार्डाई' के नाम से जाना जाता है, जिसने मामले की जांच शुरू कर दी है और आयरलैंड में भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्रा उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने सोशल मीडिया पर इस हमले को लेकर आश्चर्य व्यक्त किया है। घटना के कुछ दिन बाद दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'डबलिन के तलाग्ट में एक भारतीय नागरिक पर हमले के संबंध में, दूतावास पीड़ित और उसके परिवार के संपर्क में है।

एनसीपी नेता का अंतरिम सरकार पर हमला, कहा- कानून व्यवस्था कायम नहीं कर सके मोहम्मद यूनुस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की नई राजनीतिक पार्टी ने अंतरिम सरकार पर हमला बोला है। नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि मोहम्मद यूनुस की सरकार पिछले एक साल में कानून व्यवस्था कायम करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल को लेकर भी बात की। साथ ही भारत के साथ रिश्तों को सुधारने के लिए कहा।

नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि पिछले एक साल में सरकार की एक नाकामी यह है कि वे कानून प्रवर्तन ढांचे को फिर से स्थापित करने के लिए कानूनी बल को नियंत्रित या स्थापित नहीं कर पाए। जुलाई के विद्रोह के दौरान पुलिस, विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने ही आम लोगों पर, छात्रों पर, हत्याओं को लेकर सामूहिक नरसंहार में हिस्सा लिया था। इसलिए अंतरिम सरकार की प्राथमिकता पुलिस, आरएबी, डीबी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सभी बलों को फिर से स्थापित करना होना चाहिए। वे ऐसा नहीं कर पाए। मैं कह सकती हूं कि यह इस सरकार की दुर्भाग्यपूर्ण नाकामियों में से एक है। इस भीड़तंत्र में आपने जो भी कहा वही हुआ। एक ही मामले

में कई लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं। ये मुकदमे फर्जी हैं। फर्जी मुकदमे और फर्जी आरोप। इसलिए ये सही बात नहीं है। उन्होंने कहा कि जुलाई विद्रोह को एक साल हो गया है। हमें निरंकुश फासीवादी शेख हसीना से छुटकारा मिल गया है। लगभग 15 साल तक निरंकुशता कायम रही। इसलिए सारी कानून प्रवर्तन एजेंसियां, नौकरशाही, पूरा प्रशासन फासीवादी शासन के अधीन था। हम रातोंरात निरंकुशता से लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद नहीं कर सकते। लेकिन एक साल बाद हम हर चीज पर बात कर सकते हैं। हम अपनी अंतरिम सरकार से उनके द्वारा उठाए जा रहे कदमों और लोकतांत्रिक परिवर्तन के पक्ष में जिन सुधारों पर हम चर्चा कर रहे हैं, उनके बारे में पूछ सकते हैं। हर कोई बातचीत, संवाद और सेमिनारों में भाग ले रहा है। हर कोई देश के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल हमने कोई बातचीत नहीं की। सरकार के खिलाफ बात करने का कोई मौका नहीं मिला। हमारी आवाज दबाने के लिए एक कानून था। जबरन गायबियां, न्यायेतर हत्याएं और सभी निजी बैंकों की लूट हुई। निरंकुशता का साम्राज्य था। लेकिन पिछले साल यह रुक गया और हमने फिर से शुरू कर दिया है। लोकतंत्र में तब्दील होने की प्रक्रिया धीमी है। इसलिए मुझे लगता है कि यह वैसी नहीं है जैसी हमने एक साल पहले उम्मीद की थी। लेकिन यह हो रहा है। प्रगति हो रही है। चुनाव को लेकर कही ये बात नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि हमें उम्मीद है क्योंकि चुनाव की तारीख अंतरिम सरकार के कार्यकाल की शुरुआत में ही घोषित कर दी गई थी। दिसंबर से जुलाई 2026 तक का समय है। इसलिए यह संभवतः फरवरी या अप्रैल में होगा। अंतरिम सरकार के प्रेस सचिव, हमारे मुख्य सलाहकार, ने कल कहा कि चुनाव एक दिन के लिए भी स्थगित नहीं होंगे। राष्ट्रीय सहमति आयोग में सभी राजनीतिक दलों ने बातचीत में हिस्सा लिया। उन्होंने सभी सुधार प्रस्तावों पर चर्चा की, बातचीत की और वे एक आम सहमति पर पहुंचे। हमें जुलाई चार्टर मिलने की उम्मीद है। जुलाई के बाद हमें राष्ट्रीय चुनाव की तारीख तय होने की उम्मीद है। हम मूलभूत सुधार चाहते हैं। संवैधानिक संस्था जो कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र से बाहर हो। कार्यपालिका, न्यायपालिका और संसद ये तीनों स्तंभ स्वतंत्र होने चाहिए। ताजनुवा जबीन ने कहा कि हम सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि सभी पड़ोसी देशों के साथ दोस्ती की तलाश में रहते हैं। हम एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

अमेरिका में बेरोजगारी का आंकड़ा ज्यादा बताया तो डोनाल्ड ट्रंप ने अफसर को ही हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को श्रम सांख्यिकी ब्यूरो (बीएलएस) की आयुक्त एरिका मैकएंटार्फर को बर्खास्त करने का आदेश दिया। यह कार्रवाई जुलाई महीने की रोजगार रिपोर्ट आने के बाद की गई। इस रिपोर्ट में नौकरियों में वृद्धि धीमी होने और मई-जून के आंकड़ों में भारी कमी की जानकारी सामने आई। ट्रंप ने बिना सबूत के दावा किया कि ये आंकड़े राजनीतिक कारणों से हेरफेर किए गए थे।

शुक्रवार को जारी बीएलएस की मासिक रोजगार रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई में केवल 73,000 नई नौकरियां पैदा हुईं, जो कि बाजार की अपेक्षाओं से काफी कम थी। इसके अलावा, मई में नौकरियों की संख्या को पहले के 125,000 से संशोधित कर 19,000 और जून में 147,000 से 14,000 कर दिया गया। इस संशोधन के बाद मई और जून में कुल 258,000 कम नौकरियां पैदा होने की बात सामने आई। बेरोजगारी दर भी 4.1 प्रतिशत से बढ़कर 4.2 प्रतिशत हो गई, हालांकि यह अभी भी अपेक्षाकृत कम मानी जाती है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए मैकएंटार्फर पर आंकड़ों में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी टीम को इस बाइडन द्वारा नियुक्त राजनीतिक व्यक्ति को तत्काल बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। उनकी जगह अधिक सक्षम और

योग्य व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया, आज के रोजगार आंकड़े रिपब्लिकन और मुझे खराब दिखाने के लिए हेरफेर किए गए थे।

मैकएंटार्फर को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2023 में नामित किया था, और वे जनवरी 2024 से बीएलएस की आयुक्त थीं। सीनेट ने 86-8 के मत से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की थी, जिसमें मौजूदा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी उनके पक्ष में वोट दिया था। बीएलएस में आयुक्त ही एकमात्र राजनीतिक नियुक्ति होती है, जबकि बाकी सैकड़ों कर्मचारी कैरियर सिविल सेवक होते हैं। आयुक्त का कार्यकाल आमतौर पर चार साल का होता है, लेकिन राजनीतिक नियुक्ति होने के कारण उन्हें हटाया जा सकता है।

ट्रंप के इस कदम की अर्थशास्त्रियों और पूर्व अधिकारियों ने कड़ी आलोचना की है। बीएलएस के समर्थन में बने एक समूह, फ्रेंड्स ऑफ बीएलएस ने बयान जारी कर कहा, मैकएंटार्फर को हटाने का यह तर्क निराधार है और यह केंद्रीय आर्थिक आंकड़ों की विश्वसनीयता को कमजोर करता है, जो व्यवसायों, परिवारों और नीति निर्माताओं के लिए बुद्धिमान आर्थिक निर्णयों का आधार हैं।

ट्रंप ने पहले भी 2024 के चुनाव से पहले बीएलएस के आंकड़ों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने दावा किया था कि अगस्त 2024 में बीएलएस ने पिछले वर्ष के रोजगार आंकड़ों में 818,000 की कमी की घोषणा की थी, जिसे उन्होंने बाइडन-हैरिस प्रशासन द्वारा धोखाधड़ी करार दिया था। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि आंकड़ों में संशोधन एक सामान्य प्रक्रिया है, जो बेहतर डेटा उपलब्ध होने पर की जाती है।

कमला हैरिस का बड़ा ऐलान: कैलिफोर्निया गवर्नर चुनाव से बनाई दूरी, कहा- टूटी राजनीतिक व्यवस्था में नहीं लौटूंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति और भारतवंशी कमला हैरिस ने अगले साल कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। कमला ने कहा कि अमेरिका की राजनीतिक व्यवस्था टूट चुकी है और वह इतना मजबूत नहीं है कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा कर सकें। इसलिए वह फिलहाल किसी निर्वाचित पद पर नहीं रहेंगी, बल्कि लोगों से मिलेंगी और उनकी बातें सुनेंगी।उन्होंने कहा जब वह युवा थीं तो उनका मानना था कि व्यवस्था का हिस्सा बनकर ही बदलाव किया जा सकता है। लेकिन हाल में मैंने फैसला लिया है कि अभी इस व्यवस्था में वापस नहीं जाऊंगी। मुझे लगता है कि यह व्यवस्था टूट चुकी है। इसके साथ ही पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने शिक्षा विभाग को छोटा करने के ट्रंप के प्रयासों के रास्ते में खड़े न होने के लिए कांग्रेस की विशेष रूप से आलोचना की,और कहा कि वे बस हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर निशाना साधते हुए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका के लिए ये काले दिन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन कांग्रेस में अपनी बहुमत और सुप्रीम कोर्ट की मदद से देश के संविधान को खत्म करने की पूरी कोशिश कर रहा है।

कोंडागांव जिला और माकड़ी ब्लॉक को नीति आयोग से मिला गोल्ड मेडल

कोण्डागांव। नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में कोंडागांव जिला एक बार फिर अग्रणी साबित हुआ है। देशभर के 112 जिलों और 500 विकासखंडों को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है, जिसका उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में तेजी से विकास सुनिश्चित करना है। कोंडागांव जिले के माकड़ी विकासखंड ने आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत निर्धारित सभी छह इंडीकेटर में शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है।

इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के जिलों और विकासखंड को हाल ही में रायपुर में आयोजित एक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया, जिसमें आकांक्षी जिला कार्यक्रम में कोंडागांव जिला और आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम में माकड़ी भी शामिल है। इस अवसर पर कोंडागांव की कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन

अधिकारी अविनाश भोई ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होकर यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया। आकांक्षी जिला में एएनसी जांच, गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, 9 से 11 माह के बच्चों का शत् प्रतिशत टीकाकरण और स्कूलों में विद्युतीकरण और मूलभूत सुविधा, स्कूलों में पुस्तक वितरण में शत् प्रतिशत उपलब्धि शामिल है। वहीं माकड़ी विकासखंड में एएनसी जांच, शुगर जांच, उच्च रक्तचाप जांच, गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और समूह की महिलाओं को रिवाल्विंग फंड वितरण में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिले के समस्त विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, मितानिन बहनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम स्तरीय अमले को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता टीमवर्क और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी को भविष्य में भी इसी प्रकार प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य महाप्रबंधक एनएमडीसी बचेली से बीटीओए के सदस्यों ने मुलाकात कर बाधित मार्ग को शुरू करने के लिए सौंपा ज्ञापन

बचेली । मुख्य महाप्रबंधक कोडोली श्रीधर , एनएमडीसी लिमिटेड बचेली काम्प्लेक्स से दक्षिण बस्तर की एक मात्र सबसे बड़ी ट्रक मालिकों की संस्था बैलाडीला ट्रूक ओनर्स एस्सोसिएशन (बीटीओए) के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात कर लोडिंग पॉइंट के रोड की समस्या से अवगत करवाया। मुख्य महाप्रबंधक श्रीधर ने अति शीघ्र ही पुनः सुचारु रूप से लोडिंग शुरू करवाने एवं पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। विगत एक दिवस पूर्व बचेली में भारी बारिश के चलते एनएमडीसी का पुराना मार्केट स्थित टेलिंग डेम सुबह लगभग 10.30 बजे ढह गया। जिससे जनजीवन के हताहत होने की किसी प्रकार की कोई सूचना नहीं है। वही रामधर कश्यप, चालकी पारा बचेली के ट्रक मालिक का ट्रक जो की ठीक इसी डेम के नीचे लोडिंग प्लांट जाने वाली सड़क में खराब हों गया था, कटाव के चपेट में आ गया। विदित हों की बचेली में लगातार कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही थीं। भारी बारिश के चलते मिट्टी से बना चेक डेम जो लगभग 52-55 बर्ष पूर्व बना था, कल ढह गया। बी.टी.ओ.ए के सदस्य, स्थानीय जन

प्रतिनिधियों, एनएमडीसी के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा डेम के आस पास निवासरत लोगों को आपातकालीन दुर्घटना से सचेत रहने को कहा गया । एनएमडीसी प्रशासन एवं बी.टी.ओ.ए के सदस्यों द्वारा मिट्टी के गाद उठाने के लिए पोकलेन बड़े ड्रोजर मशीनों की व्यवस्था करके लोडिंग प्लांट जाने वाली सड़क मार्ग का सफाई की गयी। लोडिंग प्लांट जाने वाली सड़क मार्ग में मिट्टी के गाद भर जाने से सुरक्षागत कारणों से लौह अस्यक का परिवहन रोक दिया गया, प्रतिदिन 300 गाड़ियों में इसी मार्ग से लोह अयस्क लोडिंग हेतु जाती है जिससे ट्रक मालिकों एवं इस व्यवसाय से जुड़े हुए आम लोगो के सामने बड़ी संकट उत्पन्न हुई है। इस दौरान उमेश सिंह गौतम, राहुल असरानी, आकाश गोयल, मनीष नायक, अनिल यादव, विक्रम अग्रवाल, गौरव सिंह, डिवीन थॉमस, सुनील एवं बी.टी.ओ.ए. संस्था के सदसयगण उपस्थित रहे ।

श्रावण माह के चौथे सोमवार को किरंदुल के शिवालयों में हुई विशेष पूजा-अर्चना

किरंदुल। श्रावण माह को लेकर बाबा भोलेनाथ के भक्तों में अपार उत्साह और उमंग का वातावरण हैं।श्रावण माह के चतुर्थ एवं अंतिम सोमवार को भगवान महादेव के मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की जा रहीं हैं।लौहनगरी किरंदुल के शिवालयों और विशेषकर नगर के गांधीनगर नंदी पर्वत मंदिर, उड़िया कैम्प,धरमपुर कैम्प, रामपुर कैम्प, बंगाली कैम्प एवं गजराज कैम्प पर स्थित शिव मंदिर पर सोमवार शिवलिंग पर जल अर्पण करने हेतु भक्तों का तांता लगा रहा। साथ ही इस अवसर पर विभिन्न शिवालयों में अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए लोगों ने विशेष पूजा अर्चना की।

13 अगस्त को होगा बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन का एकवर्षीय चुनाव

किरंदुल। दक्षिण बस्तर में ट्रक मालिकों की सबसे बड़ी संस्था बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की 25 जुलाई को बीटीओए के सभागार में हुई आमसभा में संस्था के सभी सदस्यों ने एक मत से आगामी 13 अगस्त को बिटीओए के वार्षिक चुनाव करवाने पर मुहर लगा दी। उल्लेखनीय हैं कि बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन बिटीओ का पिछला एक वर्षीय चुनाव 31 जुलाई को भारी भरकम हंगामे के बीच संपन्न हुआ था। चुनाव संचालन समिति के सदस्य आर सी नाहक ने सोमवार बताया कि आमसभा के बाद बिटीओए का कार्यभार सुपर कमेटी के हाथों में ना जा कर सीधे 13 अगस्त को मतदान प्रणाली से बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की नई कमेटी का चयन एसोसिएशन के सदस्य मतदाताओं के द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद के लिए आवेदन आमंत्रित

कोण्डागांव। एकीकृत बाल विकास परियोजना कोण्डागांव कार्यालय परियोजना अधिकारी द्वारा सेक्टर चिपावंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हारी के आंगनबाड़ी केन्द्र मालगांव कुम्हारी और सेक्टर बनियागांव अंतर्गत ग्राम पंचायत बनियागांव के आंगनबाड़ी केन्द्र बनियागांव कुडूमभाटा में आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। आवेदन पत्र समस्त प्रमाण पत्रों सहित कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना कोण्डागांव में कार्यालयीन समय में 19 अगस्त 2025 तक जमा कर सकते हैं।

फरसगांव पुलिस ने ऑपरेशन तलाश के तहत 5 वर्ष पूर्व गुम लड़की को खोजने में की सफलता हासिल

कोण्डागांव। गंगाराम नेताम पिता स्व. अर्जुन नेताम उम्र 23 वर्ष निवासी पुसापाल थाना फरसगांव जिला कोंडागांव ने 3 सितम्बर 2021 को थाना उपस्थित आकर गुम इंसान की सूचना दर्ज कराई कि प्रार्थी की बहन कुमारी भागवती नेताम पिता स्व. अर्जुन नेताम उम्र 20 वर्ष निवासी पुसापाल ने जनवरी माह 2020 को घर से बिना बताए निकली थी, जो शाम रात तक वापस घर नहीं आने से आस पास एवं परिजनों के यहां पता तलाश किया गया। कहीं नहीं मिलने पर प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना फरसगांव में गुम इंसान क्रमांक 21/2021 3 सितम्बर 2021 को कायम कर पता तलाश में लिया गया। गुम इंसान लड़की होने से मामले को गंभीरतापूर्वक लेते हुए ऑपरेशन तलाश के तहत् गुम लड़की

की पतासाजी हेतु् पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव वाय अक्षय कुमार (भा.पु.से) के सख्त निर्देशन पर एडिशनल एसपी कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन में तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अभिनव उपाध्याय के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी संजय सिन्दे के नेतृत्व में लगातार हर संभव पता तलाश की जा रही थी। पता तलाश के दौरान गुम लड़की का सम्पर्क नम्बर मिलने से बात कर फरसगांव बस स्टेण्ड में बुलाया गया जहां पर बारीकी से पुछताछ में अपना नाम कुमारी भागवती नेताम पिता स्व. अर्जुन नेताम निवासी पुसापाल का रहने वाली बताने पर उसके परिजन को थाना बुलाकर पहचान हेतु मिलवाया गया कहां गई थी पूछने पर बताया कि घूमने के लिए अपने सहेली के साथ राजस्थान जाना बताई वर्ष 2020, 2021 में कोरोना वायरस के कारण पुरे भारत में लॉकडाउन होने के कारण राजस्थान के जिला झुन्झुन ग्राम बासयाल में काम धाम कर रहना बताई है।

लाईवलीहुड कॉलेज में एक दिवसीय प्लेसमेंट कैंप का आयोजन कल

कोण्डागांव। जिला कोण्डागांव एवं अन्य जिले के शिक्षित युवक-युवतियों के लिए कार्यालय जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र तथा मॉडल कैरियर सेन्टर कोण्डागांव द्वारा 06 अगस्त 2025 दिन बुधवार को लाईवलीहुड कॉलेज जिला कोण्डागांव में पूर्वान्ह 11 से अपरान्ह 03 बजे तक एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र के नियोजक द्वारा अपनी-अपनी संस्थाओं में कुल 50 पदों पर कार्य करने हेतु भर्ती ली जाएगी। इसमें निजी नियोजक एसबीआई इंश्योरेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड में डेवलपमेंट मैनेजर के 2 पद, सेल्स मैनेजर के 2 पद, ग्रेजुएशन सेल्स ट्रेनिंग मैनेजर के 2 पद, सेल्स सपोर्ट के एक पद पर भर्ती किया जाएगा।

किरंदुल में तीन दिवसीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का शुभारंभ

किरंदुल। एनएमडीसी लिमिटेड बैलाडीला आयरन ओर माइन्स किरन्दुल कॉम्प्लेक्स के सौजन्य से क्रीड़ा सलाहकार समिति के तत्वाधान में रिक्रिएशन क्लब में अंतर परियोजना टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया जा रहा हैं।जिसका शुभारंभ सोमवार एनएमडीसी जीएम मटेरियल पी वी एंटोनी ने किया।इस प्रतियोगिता में एनएमडीसी के 04 परियोजना किरन्दुल, बचेली, डोनीमलाई एवं पन्ना की टीम हिस्सा ले रहें हैं। इस दौरान उपमहाप्रबंधक एच आर के एल नागवेणी, डॉ एम वी लाल, डॉ अभिषेक, अजय बागे, तनवीर जावेद, संजय पाटील, बी एल तारम, पतिराम बघेल उपस्थित थे।

उमेश सिंह पैनल ने मां दंतेश्वरी के दर्शन कर बीटीओए चुनाव के लिए नामांकन पत्र किया दाखिल

किरंदुल। बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की 25 जुलाई को बीटीओए के सभागार में हुई आमसभा में संस्था के सभी सदस्यों ने एक मत से आगामी 13 अगस्त को बिटीओ के वार्षिक चुनाव करवाने पर मुहर लगा दी थी। 13 अगस्त को होने वाले बिटीओए के एक वर्षीय चुनाव के लिए जारी अधिसूचना के अनुसार 3 अगस्त को प्रत्याशियों को नामांकन पत्र मिलेगा । 4 अगस्त को नामांकन पत्र दाखिल करने की तिथि रखी गई हैं।साथ ही 5 अगस्त को उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आबंटन किया जाएगा।नाम वापसी और स्कूटनी की तिथि भी 5 अगस्त ही रखी गई है।साथ ही सभी सदस्यों की सहमति से चुनाव अधिकारी के द्वारा एक चुनाव संचालन समिति का भी गठन किया गया है।चुनावी दौर में उमेश सिंह गौतम के पैनल के सचिव पद के उम्मीदवार आकाश गोयल, उपाध्यक्ष पद के लिए राहुल असरानी एवं दीपक बढ़ई, कोषाध्यक्ष पद के लिए मनीष नायक, सह सचिव पद के लिए वैभव गौरांग साहा,एवं अविनाश कर्माकर ने अपने समर्थकों के साथ बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के दरबार दंतेवाड़ा पहुंच पूजा अर्चना कर जीत का आशीर्वाद मांगने के बाद सोमवार बिटीओए कार्यालय किरन्दुल पहुंच कर अपने पैनल के सदस्यों का नामांकन पत्र जमा किया।

प्लाटून कमांडर दिनेश सिंह चंदेल ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

कोण्डागांव। कोण्डागांव जिले के बयानार स्थित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सी ए एफ) कैंप में प्लाटून कमांडर दिनेश सिंह चंदेल ने रविवार रात लगभग 10 बजे अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वह दुर्ग जिले के भिलाई के निवासी थे और सीएएफ की दूसरी बटालियन में पदस्थ थे। घटना की जानकारी मिलते ही साथी जवानों और अधिकारियों ने उन्हें स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पारिवारिक कारणों से थे परेशान : एसपी पटेल

आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है, लेकिन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल ने बताया कि प्लाटून कमांडर के पारिवारिक कारणों से परेशान होने की खबर है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। शव को

पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल कोंडागांव भेजा गया है। पुलिस और सीएएफ के वरिष्ठ अधिकारी जांच में जुटे हुए हैं। आत्महत्या की घटना से कैंप में हड़कंप मच गया है और साथी जवानों में शोक और तनाव का माहौल है।

परिवहन सुविधा केंद्र शुरू करने के लिए दावा आपत्ति 14 अगस्त तक

कोण्डागांव। परिवहन सुविधा केन्द्र मार्गदर्शिका-2022 के अनुसार जिला कोण्डागांव में 12 परिवहन सुविधा केन्द्र स्थापित किया जाना है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि जिले में 12 परिवहन सुविधा केन्द्र में से 07 परिवहन सुविधा केन्द्र वर्तमान में संचालित हो रहे हैं एवं शेष 05 परिवहन सुविधा केन्द्रों को स्थापित किए जाने हेतु समाचार पत्र के माध्यम से सूचना का प्रकाशन कर 30 जुलाई 2025 तक आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी पश्चात पात्र व अपात्र आवेदकों की सूची जिला परिवहन कार्यालय के सूचना पटल में चस्पा किया गया है। समस्त आवेदकों को सूचित किया जाता है कि उक्त पात्र व अपात्र सूची का अवलोकन जिला परिवहन कार्यालय के सूचना पटल में किया जा सकता है। अवलोकन पश्चात् दावा आपत्ति प्रस्तुत प्रस्तुत करने हेतु आवेदन 06 अगस्त 2025 से 14 अगस्त 2025 तक उपस्थित होकर जिला परिवहन अधिकारी के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

कोंडागांव जिले में राजमिस्त्री प्रशिक्षण से आवास निर्माण को मिलेगी नई गति

कोण्डागांव। जिले के ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार एवं तकनीकी दक्षता से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आरसेटी (रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट) नारायणपुर, जगदलपुर और कांकेर के सहयोग से जिला कोंडागांव के 84 युवाओं को 30 दिवसीय 'राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम' संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में जिले के चयनित प्रतिभागियों को भवन निर्माण की बारीकियों, गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा मानकों एवं आवासीय योजना संबंधी कार्यों की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है, बल्कि जिले में चल रही आवास योजनाओं को कुशल श्रमिकों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण कराना भी है।भविष्य में मिलेगा बड़ा लाभ- वर्तमान में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में बड़ी संख्या में आवास निर्माणाधीन हैं। तकनीकी रूप से प्रशिक्षित मिस्त्रियों की उपलब्धता से न केवल निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि समयबद्ध क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। इससे भविष्य में कोण्डागांव जिले में आवासीय योजनाओं की प्रगति और सुदृढ़ होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले हजारों परिवारों को शीघ्रतापूर्वक पक्के आवास उपलब्ध हो सकेंगे। जिला प्रशासन द्वारा यह प्रयास न केवल रोजगारपरक है, बल्कि यह ग्रामीण बुनियादी संरचना को मजबूत करने की दिशा में भी एक मील का पत्थर साबित होगा।

प्रशिक्षण उपरांत मिलेगा प्रमाण पत्र एवं रोजगार का अवसर - प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें विभिन्न सरकारी निर्माण कार्यों में प्राथमिकता के साथ कार्य करने का अवसर मिल सकेगा। साथ ही इच्छुक युवा निजी स्तर पर भी कार्य प्रारंभ कर स्वावलंबन की ओर बढ़ सकेंगे।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किश्त की गई जारी

कोण्डागांव। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का सीधा प्रसारण शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र बोरगांव में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग व कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर जिले के किसानों के साथ जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी और कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी से इस किस्त को राष्ट्रव्यापी रूप से जारी किया। उन्होंने 9.80 करोड़ किसानों के खातों में 2 हजार की राशि के रूप में कुल 22 करोड़ से अधिक की राशि ट्रांसफर की। प्रधानमंत्री ने किसानों को अन्नदाता की संज्ञा देते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में गरीब, किसान, युवा और महिला चार प्रमुख स्तंभ हैं और इन्हें प्राथमिकता देना सरकार की प्रतिबद्धता है। बोरगांव में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवीर बदेशा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की महत्ता को रेखांकित करते हुए किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जिले के लाभार्थी किसानों को शुभकामनाएं दीं। तरुण साना ने फसल विविधिकरण पर बल देते हुए जिले में तिलहन फसलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कुमार मरकाम ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि डी. पी. टांडे ने विभागीय योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए किसानों को पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. हितेश कुमार मिश्रा ने गौ आधारित कीटनाशकों, रोगनाशकों और घनजीवामृत निर्माण विधियों पर जानकारी दी। वहीं डॉ. प्रिया सिन्हा ने आधुनिक कृषि यंत्रों की भूमिका को रेखांकित किया।

क्या आप भी खा रहे हैं समोसा और जलेबी? तो हो जाइए सावधान...

हमारे देश भारत में खाने-पीने की बहुत अहमियत है। यहां खाना सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं खाया जाता है, बल्कि इसके पीछे एक इमोशनल छिपा होता है। घर पर मां के हाथ का बना खाना हो या बाहर की चटपटी चाट, लगभग हर भारतीय खाने-पीने का शौकीन होता है। लेकिन, क्या आपको पता है कि कब खाने-पीने की ये चीजें आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। जी हां, कुछ भी खाते वक्त ये ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है कि आप हेल्दी खाना खा रही हैं या फिर अनहेल्दी चीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बना रही हैं। क्या आपको भी समोसा, जलेबी, लड्डू और पकौड़े जैसी फाइड और मीठी चीजें बहुत पसंद हैं और आप इन्हें अक्सर खाती हैं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है। इनसे आप गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकती हैं और इन्हें खाने पर अब सरकार की तरफ से चेतावनी दी जाएगी।

समोसे और जलेबी ज्यादातर लोगों को पसंद होते हैं। लेकिन, इनमें मीठे और तेल की मात्रा बहुत अधिक होती है। ज्यादातर लोग इन्हें स्वाद में खा तो लेते हैं लेकिन यह नहीं जानते हैं कि इनमें कितना तेल और शुगर छिपी है और कैसे यह उनकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन, अब आप ये जान पाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अब स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सभी केंद्रीय संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे खाने-पीने की चीजों जैसे पकौड़ा, समोसा, वड़ा पाव, लड्डू और जलेबी पर ऑयल और शुगर बोर्ड लगाएं। जिससे कि लोगों को यह पता चल सके कि वे जिस स्नैक को खा रहे हैं, उसमें कितनी चीनी और तेल छिपा है। दरअसल ये बोर्ड्स एक चेतावनी की तरह काम करेंगे जिससे लोगों को ये समझ आए कि जिन फूड आइटम्स को वे अपने रूटीन में बेझिझक शामिल कर रहे हैं, वे कैसे उनकी सेहत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इससे लोग इन चीजों को सोच-समझकर ऑर्डर करेंगे, मोटापा, बीपी, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज समेत कई दिक्कतें कम हो सकती हैं। खाना बनाने वाले लोग भी बैलेंस ऑयल और शुगर के इस्तेमाल की कोशिश करेंगे।

मोटापा बनता जा रहा है भारत के लिए बड़ी समस्या

इस समय मोटापा भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। अनुमान है कि 2050 तक भारत में लगभग 45 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे में यह एक सराहनीय कदम हो सकता है। सेहतमंद रहने के लिए अनहेल्दी फैट्स और रिफाइंड शुगर से दूर रहना और हेल्दी डाइट लेना बहुत जरूरी है। बताया जा रहा है कि इस योजना की शुरुआत फिलहाल नागपुर के सरकारी संस्थानों में की जा रही है।

इन बीमारियों में हाथ पैर पड़ जाते हैं सुन्न

समय रहते नहीं हुई पहचान तो होंगे लाखों खर्च

हाथ-पैर में सुन्नता, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है।

सामान्य जीवन के लिए हाथ-पैर का सही से काम करना बेहद जरूरी है, पर कई बार हम जाने-अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनके कारण हाथ-पैर कमजोर पड़ जाते हैं। खासकर हाथ-पैर में आई सुन्नता अपने आप में एक बेहद गंभीर स्थिति है, जो घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है। इसलिए समय रहते इसकी पहचान जरूरी है और यहां हम आपको इसी संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देने जा रहे हैं। गौरतलब है कि अगर समय पर इलाज मिल जाए तो गंभीर बीमारियों का जोखिम काफी हद तक कम होता है। हाथ-पैरों की सुन्नता के संबंध में भी यही बात लागू होती है। समय रहते ही इसकी असल समस्या की पहचान जरूरी है। इसलिए उन समस्याओं के बारे में जानना आवश्यक हो जाता है, जिनके कारण हाथ-पैर में सुन्नता की समस्या आती है।

हाथ-पैरों या शरीर के किसी भी अंग में सुन्नता नर्व के डैमेज होने की स्थिति में होती है। ऐसी स्थिति किसी एक नर्व के दबने या क्षतिग्रस्त होने से भी हो सकती है या बहुत सारे नर्व के प्रभावित होने से। हमारे शरीर में लगभग 96 हजार किलोमीटर की तंत्रिका तंत्र कार्य करती है, जिससे शरीर के अलग-अलग हिस्सों और अंगों को सिग्नल पहुंचते हैं और वे कार्य करते हैं। दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के हिस्से में जब कोई नर्व डैमेज होता है तो सिग्नल टूटने के कारण हाथ और पैरों में सुन्नता आ जाती है। ऐसे में सुन्नता के साथ कई बार हाथ-पैर में झनझनाहट और दर्द भी महसूस हो सकता है। अब बात करते हैं कि कौन-कौन सी समस्याओं में ऐसी स्थिति बन सकती है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस

मल्टीपल स्क्लेरोसिस केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़ी घातक स्थिति है, जिसमें दिमाग, रीढ़ की हड्डी और ऑप्टिकल यानी आंख की तंत्रिकाएं प्रभावित होती हैं। ऐसे में मांसपेशियों में कमजोरी के साथ ही शरीर के अलग-अलग हिस्सों में सुन्नता उत्पन्न हो जाती है। बात करें इसके लक्षणों की तो हाथ-पैर में सुन्नता के साथ ही थकान और चक्कर आना, याददाश्त का कमजोर पड़ना और चेहरे की तंत्रिकाओं में दर्द महसूस होना भी शामिल है।

ब्रेन ट्यूमर

ब्रेन ट्यूमर की स्थिति में भी हाथ-पैर सुन्न पड़ सकते हैं या उनमें झनझनाहट महसूस हो सकती है। दरअसल, ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क और संवेदी रिसेप्टर्स तंत्रिकाओं के मार्ग को अवरुद्ध कर सकता है, ऐसी स्थिति में सिग्नल के टूटने के कारण हाथ-पैर या शरीर के दूसरे हिस्से काम करना बंद कर देते हैं।

डायबिटीज न्यूरोपैथी

शरीर में ब्लड शुगर का बढ़ा हुआ स्तर तंत्रिकाओं को भी क्षति पहुंचाता है, जिसके कारण हाथों और पैरों की सुन्नता की स्थिति बन सकती है। ऐसी स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को असामान्य रूप से प्यास लग सकती है या अधिक यूरिन आने की दिक्कत पेश आ सकती कती है। इसलिए अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण नजर आएं तो अपने ब्लड शुगर की जांच जरूर करवाएं। वरना आगे चलकर यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

कार्पल टनल सिंड्रोम

कार्पल टनल सिंड्रोम भी तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्या है, जिसके कारण हाथों में सुन्नता, आती है। असल में ऐसा तब होता है जब हाथ की प्रमुख नसों में से कोई एक दब जाती है। ऐसे में समय रहते इसका उपचार जरूरी है, वरना आगे चलकर स्थिति गंभीर हो हो सकती है। इसके कारण हाथ और उंगलियां पूरी तरीके से काम करना बंद कर सकती हैं।

किडनी की बीमारी

किडनी डैमेज होने या उसमें आई खराबी के चलते भी हाथ-पैर की सुन्नता की हो सकती है। दरअसल, किडनी हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। पर इसके खराब होने की स्थिति में जब विषाक्त पदार्थ सही से बाहर नही निकल पाते हैं तो वो तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में हाथ और पैर में झनझनाहट और सुन्नता हो सकती है। बता दें कि अल्होकल के अधिक सेवन के परिणामस्वरूप भी हाथ-पैर में सुन्नता आ सकती है। वहीं कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी हाथ-पैर में सुन्नता की स्थिति देखने को मिलती है। कुल मिलाकर देखा जाए तो हाथ-पैर में सुन्नता आना, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है। उम्मीद करते हैं कि सेहत से जुड़ी यह जानकारी आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

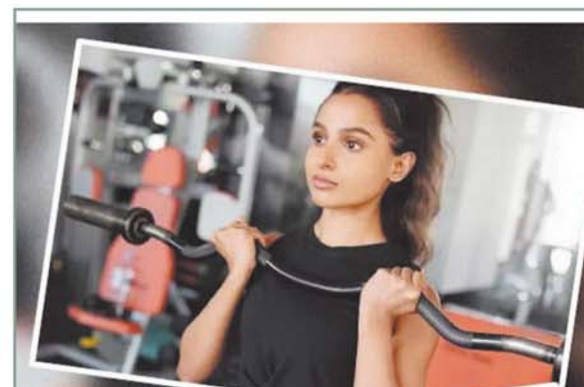

जिम में क्यों आता है हार्ट अटैक?

आजकल जिम करते वक्त काफी लोगों को हार्ट अटैक आ रहा है। आइए एक्सपर्ट से समझते हैं इसका असली कारण क्या है। और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है।

फिट रहने के लिए लोग आजकल जिम जाते हैं। घंटों जिम में पसीने बहाते हैं। लेकिन बीते कुछ दिनों से अक्सर यह खबर सुनने को मिलती है कि जिम में हार्ट अटैक आ गया। तो क्या स्वस्थ रहने की कोशिश जानलेवा साबित हो रही है। हर कोई इस सवाल का जवाब जानना चाहता है। खासकर युवाओं में डर का माहौल हो गया है। आइए जानते हैं, जिम में हार्ट अटैक क्यों आ रहा है।

जिम में क्यों आ रहा है हार्ट अटैक?

एक्सपर्ट बताते हैं कि अक्सर हमें लगता है की हेवी एक्सरसाइज से दिल पर दवाब पड़ता है और दिल का दौरा पड़ जाता है। लेकिन इसके लिए सिर्फ हेवी एक्सरसाइज जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। आप डाइट कैसी ले रहे हैं। आप स्मोकिंग करते हैं, नींद कैसी है आपकी, आप पानी पीते हैं या नहीं। कुछ लोग तो स्टेरॉयड का इस्तेमाल करते हैं। और कुछ लोग जेनेटिक सिंड्रोम के चलते इसकी चपेट में आते हैं। ये सभी चीजें मिलकर आपके दिल पर असर डालती हैं।

- जिन लोगों की डाइट खराब है, कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। धमनियों में पहले से प्लाक जमा हो उनमें हेवी एक्सरसाइज के दौरान अचानक से ब्लड फ्लो बढ़न से हार्ट अटैक आ सकता है।
- कई बार कुछ लोगों का बीपी बढ़ा हुआ रहता है, और वो एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे भी दिल पर दबाव पड़ता है।
- अगर आप 40 साल से अधिक के हैं या आपको हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास रहता है, तो जिम जाने से पहले अपना चेकअप कराएं।
- हाइड्रेट रहें। अपने शरीर की सुनें। अगर छाती में दर्द या सांस में तकलीफ होती है, तो तुरंत एक्सरसाइज बंद कर दें।

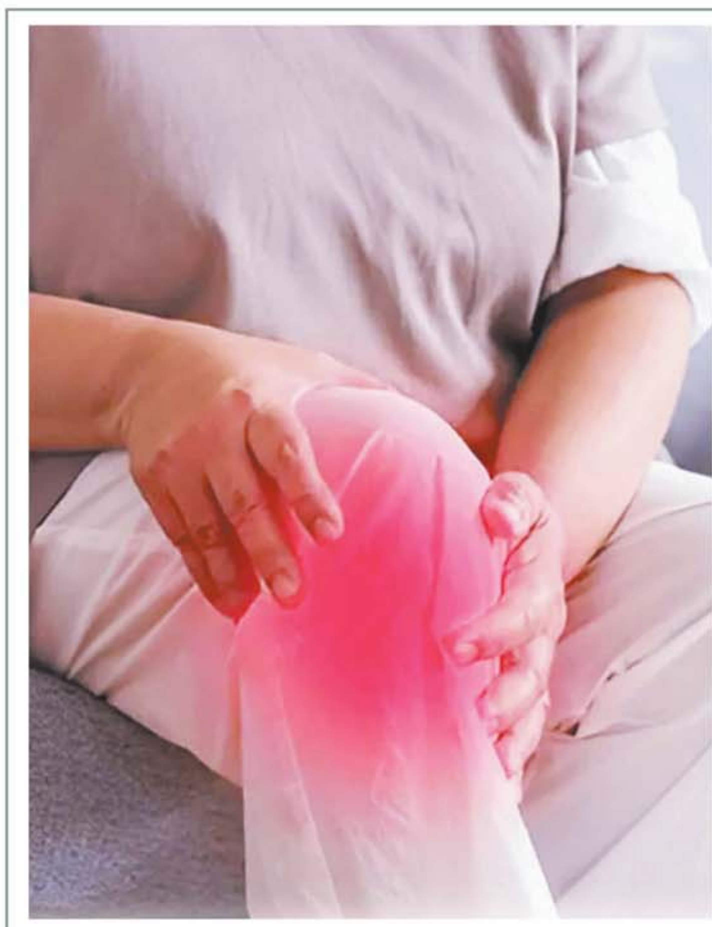

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि चलते-फिरते या उठते-बैठते आपका घुटना अचानक से मुड़कर अटक गया हो और उसे सीधा करने में आपको जोर लगाना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो। लेकिन क्या आप जानती हैं कि मेडिकल रूप से इस शब्द का सही अर्थ क्या है?

क्या आपके घुटने भी लॉक हो जाते हैं?

क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आपका घुटना अचानक मुड़ा का मुड़ा रह गया हो और उसे सीधा करने के लिए आपको झटका देना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो? इस कंडीशन को मेडिकल भाषा में घुटने का लॉक होना कहते हैं। अक्सर लोग घुटनों से आने वाली आवाज या हल्के दर्द को भी लॉकिंग समझ लेते हैं, लेकिन डॉक्टर बताते हैं कि यह सही नहीं है। डॉक्टर का कहना है, जब हम कहते हैं कि घुटना लॉक हो गया, तब सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि घुटना लॉक होने का असली मतलब क्या है। हम अक्सर ऐसे कई मरीज देखते हैं जो कहते हैं कि सर, हमारा घुटना लॉक हो गया है। लेकिन, वह किसी तरह की आवाज या हल्के दर्द या असुविधा को लॉकिंग समझ लेते हैं। असल में घुटना लॉक होने का मतलब यह होता है कि आपका घुटना मुड़ा का मुड़ा रह गया है और उसे सीधा करने के लिए आपको या तो हाथ से बल लगाना पड़ रहा है या फिर कोई झटका देना पड़ रहा है या किसी दूसरे व्यक्ति की मदद से उसे सीधा करना पड़ रहा है। इस कंडीशन को मेडिकली लॉकिंग कहते हैं।

घुटने लॉक होने के कारण

डॉक्टर समझाते हैं कि घुटने लॉक होने का सबसे आम कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन होता है। इसका मतलब है कि घुटने के जोड़ के अंदर कोई बाहरी या ढीली चीज फंस जाती है, जिससे घुटने की नॉर्मल स्पीड रुक जाती है।

अब सवाल यह है कि यह लूज बॉडी या ढीली चीज आती कहां से है? यह लूज बॉडी आमतौर पर हमारे घुटने के जोड़ के अंदर मौजूद सॉफ्ट टिश्यूज या हड्डियों के छोटे टुकड़ों से बनती है।

मेनिस्कस का टूटना

घुटनों में मौजूद मेनिस्कस होता है, जो वॉशर या कुशन की तरह काम करता है। यह घुटने के जोड़ को स्थिरता देता है और झटकों को सहने में मदद करता है। जब किसी युवा का खेलकूद के दौरान या किसी चोट के कारण घुटने में मेनिस्कस को फट जाता है, तो इसका टूटा हुआ हिस्सा जोड़ के बीच में फंस सकता है। यह युवाओं में घुटने के लॉक होने का आम कारण है।

कार्टिलेज का टुकड़ा या अन्य ढीली वस्तु

जब लोग बढ़ती उम्र में घुटने में घिसाव का अनुभव करते हैं, तब घुटने के कार्टिलेज घिसने लगते हैं। इस घिसाव के कारण कार्टिलेज के छोटे-छोटे टुकड़े टूटकर घुटने के जोड़ के अंदर तैरने लगते हैं। ये छोटे टुकड़े या कोई और ढीली वस्तु जो घिसाव से जोड़ में आ जाती है, वह भी घुटने को लॉक कर सकती है।

लिगामेंट टियर

कई बार घुटने में लिगामेंट के फटने से घुटना लचकने लगता है, जैसे एसीएल टियर (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) में घुटना अपनी जगह से थोड़ा हिल सकता है और यह भी मरीज को लॉकिंग जैसी कंडीशन दे सकता है, भले ही कोई चीज फंसी न हो। यह स्यूडो-लॉकिंग हो सकती है। एसीएल आपके घुटने के अंदर मौजूद एक ऐसा लिगामेंट है, जो आपकी जांघ की हड्डी को पिंडली की हड्डी से जोड़ता है और आपके घुटने को स्थिर रखता है। डॉक्टर यह बात दोहराते हैं कि घुटने के लॉक होने का मुख्य कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन ही होता है, यानी कोई ऐसी ढीली चीज जो जोड़ के बीच में फंस रही हो और उसकी नॉर्मल स्पीड को रोक रही हो। यदि आप घुटने के लॉक होने की समस्या का अनुभव करते हैं, तो तुरंत ऑर्थोपेडिक सर्जन के पास जाएं, ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी बड़ी समस्या से बचा जा सके।

एबीस पोल्ट्री के वेस्ट से पानी गंदा, दिनभर बदबू ग्रामीणों का हंगामा, बंद करने जमकर नारेबाजी

ग्राम चवेली के ग्रामीण पहुंचे एसडीएम आफिस, हंगामा मचाया, ग्रामीण बोले शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही

राजनांदगांव। खैरागढ़ रोड स्थित ग्राम चवेली के ग्रामीणों ने सोमवार को एसडीएम दफ्तर पहुंचकर हंगामा मचाया। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत खपरीखुर्द के आश्रित ग्राम चवेली में एबीस कंपनी का पोल्ट्री फार्म है, जहां के अपशिष्ट पदार्थ से प्रदूषण फैल रहा है। इसके अलावा बीट व वेस्ट को डंप करने का काम किया जा रहा है, जिसके कारण गांव के तालाब का पानी और पेयजल स्त्रोत दूषित हो गए हैं, जिसके कारण उनके सामने निस्तारी की समस्या सामने आ रही है। इसके अलावा दिनभर बदबू रहती है, इस कारण आवाजाही करना भी मुश्किल हो चुका है। पूर्व में भी शिकायत की गई थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। एसडीएम आफिस पहुंचे ग्रामीणों ने कहा कि हर दिन ट्रकों से खाद को भी डंप किया जा रहा है, इसके कारण और भी समस्या बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बस्ती के 300 मीटर दूर पर ही पोल्ट्री फार्म है, इस कारण वहां का अपशिष्ट पदार्थ बस्ती में पहुंचता है। इसका लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने के कारण ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। विरोध करने पहुंचे ग्रामीणों ने नरेंद्र महोबिया, शेषलाल वर्मा, धनेश कुमार, हेमकुमार, राकेश निषाद, बुधलाल पटेल, लोकेश कुमार व अन्य लोग शामिल है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर की नारेबाजी

चवेली के बड़ी संख्या में ग्रामीण एसडीएफदफ्तर पहुंचे। इनमें महिलाओं की संख्या भी काफी अधिक थी। पोल्ट्री वेस्ट को डंप करने की शिकायत को लेकर ग्रामीणों ने परिसर में काफी नारेबाजी की और पोल्ट्री और डंप के काम को बंद करने की मांग की। इस दौरान एसडीएम खेमलाल वर्मा मौजूद रहे, ग्रामीणों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा और कार्रवाई की मांग की।

डंप एरिया को लेकर ग्रामीणों का रतजगा

ग्रामीणों को यह भनक थी कि एबिस कंपनी की गाड़ियों से पोल्ट्री वेस्ट को डंप किया जा रहा है। यह काम रात में किया जा रहा है, इस कारण एक दिन पहले ही ग्रामीण रात पर बैठकर यह देखने में लगे रहे है कि गाड़ी आएगी। लेकिन ग्रामीणों के होने की सूचना मिल जाने के कारण गाड़ियां नहीं आई। ग्रामीणों ने बताया कि देर रात जब वे हटे तब गाड़ियों से वेस्ट लेकर आया गया, तब गाड़ी को पकड़ा गया। इसके बाद ग्रामीण सुबह सीधे कार्रवाई की मांग को लेकर पहुंचे हैं।

ग्राम पंचायत सांकरा में लाखों रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन

भाजपा नेता संजय बघेल सहित कई गणमान्यजन रहे उपस्थित

अमलेश्वर। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत सांकरा में रविवार को लोधी समाज सामुदायिक भवन में बाउंड्री वॉल निर्माण और निषाद समाज सामुदायिक भवन के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद विजय बघेल के छोटे भाई संजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति नीलम राजेश, जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, पूर्व जनपद अध्यक्ष हर्षा लोकमनी चंद्राकर, जनपद सदस्य सीता निषाद, सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक एवं राजेश चंद्राकर सहित कई जनप्रतिनिधि एवं भाजपा पदाधिकारी मंचासीन रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय बघेल ने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास की एक नई रूपरेखा तैयार की जा रही है। आने वाले पांच वर्षों में पाटन विधानसभा क्षेत्र में बड़े स्तर पर विकास कार्य देखने को मिलेंगे। यह भूमिपूजन उस संकल्प का प्रतीक है जिसके तहत हम गांवों की मूलभूत संरचनाओं को मजबूत करेंगे। इस भूमिपूजन कार्यक्रम में सांकरा सरपंच रवि सिंगौर, उप सरपंच राम शरण बंधे, पूर्व सरपंच यशवंत जांगड़े, झीट सरपंच राजू साहू, भाजपा नेता अजीत ठाकुर, तथा पंच गण में संजय सिंगौर, तुलाराम सिंगौर, महेंद्र पारधी, दीपक सिंगौर, ईश्वरी सिंगौर, कविता सिंगौर, शुभम जांगड़े, चंदन सिंगौर, कामता सिंगौर, गोलू सिंगौर, वरुण सिंगौर, बिरसिंह सिंगौर, शिव कुमार सिंगौर, संतोष सिंगौर, मेहतर सिंगौर, बल्ला सिंगौर, नारद सिंगौर, नंदू सिंगौर, बसंत सिंगौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए ग्राम पंचायत सांकरा के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने एकजुट होकर सहभागिता निभाई।

आवारा एवं घुमंतु पशुओं की पहचान और सुरक्षा के उद्देश्य से रेडियम बेल्ट पहनाने का कार्य किया गया

मनेन्द्रगढ़। एमसीबी जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम उठाया है। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह के नेतृत्व में पशुधन विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर बैठने वाले आवारा एवं घुमंतु पशुओं की पहचान और सुरक्षा के उद्देश्य से उन्हें रेडियम बेल्ट पहनाने का कार्य किया जा रहा है। यह कार्यवाही खास तौर पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आमजन की सुरक्षा के लिए की जा रही है, ताकि रात के समय या कम रोशनी में वाहन चालकों को समय रहते सड़क पर खड़े या बैठे जानवरों की पहचान हो सके और वे अपनी गति धीमी कर सुरक्षित तरीके से गुजर सकें। इस अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए जिला उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. तनवीर अहमद ने बताया कि अब तक कुल 97 घुमंतु पशुओं को रेडियम बेल्ट पहनाया जा चुका है।

यह रेडियम बेल्ट विशेष रूप से रिफ्लेक्टिव मटेरियल से बने हैं जो वाहन की लाइट पड़ते ही चमकते हैं, जिससे जानवर की मौजूदगी का संकेत मिल जाता है और दुर्घटनाओं की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। रेडियम बेल्ट लगाने का यह अभियान जिला एमसीबी की सीमा अंतर्गत खोंगापानी नगर पंचायत के घुटरीटोला वेरियर से लेकर ग्राम उजियारपुर तक के राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में पशुधन विकास विभाग की चार सक्रिय टीमें कार्यरत हैं, जो सुबह से देर शाम तक इस अभियान को सफल बनाने में जुटी हैं। इस कार्य में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारी मोहन सिंह नागरे का भी सक्रिय सहयोग मिल रहा है। इसके साथ ही नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ और नगर पंचायत खोंगापानी के कर्मचारियों की टीम भी इस कार्य में प्रशासन का भरपूर सहयोग कर रही है। यह पहल न केवल सड़क पर चलने वाले नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगी बल्कि पशुओं की भी रक्षा करेगी। प्रशासन की यह जिम्मेदारी पूर्ण और संवेदनशील सोच जिले में एक मिसाल पेश कर रही है।

दुर्ग की संस्कृति का उत्सव बना सावन मेला, विजेता कलाकारों को मिला सम्मान

जनसहभागिता और परंपरा का संगम बना सावन मेला, नागरिकों ने दिखाया उत्साह, रिमझिम सावन मेला का भव्य समापन समारोह

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आयोजित रिमझिम सावन मेला 2025 का भव्य समापन समारोह रविवार को केवल भवन, स्टेशन रोड स्थित परिसर में बड़ी धूमधाम और सांस्कृतिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी और वरिष्ठ समाजसेविका कौशल्या देवी साय उपस्थित रहीं, वहीं महापौर अलका बाघमार, रजनी बघेल, गौरी सुरेंद्र कौशिक नगर निगम की कार्यक्रम के प्रभारी हर्षिका संभव जैन मंचासीन रहे।

सांस्कृतिक गौरव का जीवंत उत्सव-समापन समारोह में हजारों की संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। मंच पर एक के बाद एक मनमोहक प्रस्तुतियों ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। लोकनृत्य, भजन, समूह गायन, स्किट और नारीशक्ति पर आधारित प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। नगर निगम की पर्यटन संस्कृति विभाग व महिला बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय सावन मेला का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ जिसमे बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री के धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय जी उपस्थित रही इस दौरान उन्होंने संभागायुक्त की धर्मपत्नी महापौर अलका बाघमार के साथ सावन झूला का आनंद लिया. इससे पूर्व निगम की एमआईसी सदस्यो व पार्षदों ने कौशल्या देवी साय की गरिमामय ढंग से स्वागत किया साथ ही लोकसभा सांसद की धर्मपत्नी रजनी बघेल ने शामिल होकर महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल, गौरी सुरेंद्र कौशिक, प्रभारी हर्षिका संभव जैन, शशि साहू, पूर्व विधायक की धर्म पत्नी मंजू वोरा, पूर्व महापौर की धर्म पत्नी श्वेता बकलीवाल के साथ संस्कृति कार्यक्रम में भाग लेने वाली प्रतिभागियों को पुरुस्कृत किया। इस दौरान अतिथियों ने सांस्कृतिक कायक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। बच्चों और युवा कलाकारों की प्रतिभा देख अतिथिगण विशेष रूप से प्रभावित हुए। मुख्य अतिथि कौशल्या देवी साय ने कहाँ यह मेला सिर्फएक आयोजन नहीं, बल्कि दुर्ग की आत्मा और परंपरा का जीवंत प्रमाण है। सावन मास में ऐसा आयोजन सभी वर्गों को जोड़ता है और लोकसंस्कृति की रक्षा करता है। मैं आयोजकों को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देती हूं। उन्होंने दुर्ग में रिमझिम सावन मेला हर वर्ष एक उम्मीद लेकर आता है। यह एक ऐसा मंच बन गया है, जहाँ मनोरंजन, संस्कृति और सामाजिक एकता का संगम होता है।

नगर निगम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विदाई समारोह, मेयर व कमिश्नर ने रिटायर्ड अधिकारी- कर्मचारियों का किया सम्मान,भावुक पल दी विदाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम में 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले एक अधिकारी एवं 2 कर्मचारियों को स-सम्मान बिदाई दी गई। निगम मुख्य कार्यालय सभागार में आयोजित बिदाई समारोह में महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कार्यपालान अभियंता वीपी मिश्रा, लिपिक कोमल व सफाई कर्मी रेणुका को निगम प्रशासन की ओर से स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए शुभकामनाएं दिए। साथ ही निगम हित में किए गए उनके सराहनीय कार्यों को याद किये। दुर्ग निगम के यूनियन पदाधिकारियों ने सेवानिवृत कर्मचारियों के प्रति अपने उदगार व्यक्त किए।

कर्मचारियों ने अपने सेवाकाल अवधि को सबके समक्ष साझा करते हुए शासन एवं निगम प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किए। बिदाई कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य काशीराम कोसरे, मनीष साहू, हर्षिका जैन,पार्षद मनीषा सोनी, लुकेश्वरी ठाकुर, रेशमा सोनकर, पायल पाटिल, प्रतिभा गुप्ता,नीरा खिचारिया, शिवेंद्र परिहार, प्रमोद पाटिल, अनिल सिंह, संजय मिश्रा, शशिकांत यादव, ईश्वर वर्मा, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, आर के जैन, गिरीश दिवान सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे!

सावन के अंतिम सोमवार पर स्वंभू महादेव का हुआ विशाल जलाभिषेक, पूर्णाहुति और महा भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

- हज़ारों श्रद्धालुओं ने की भोलेनाथ के दरबार में हाज़िरी, जनप्रतिनिधियों ने भी मांगी क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना

पाटन (दुर्ग)। सावन माह के अंतिम सोमवार को दुर्ग जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल आदर्श ग्राम कौही में स्वंभू महादेव के दरबार में श्रद्धा और आस्था का अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। इस पावन अवसर पर हजारों शिवभक्तों ने भोलेनाथ का जलाभिषेक कर अपने परिवार और समाज की सुख-शांति की कामना की। दुर्ग, धमतरी और रायपुर सहित आसपास के जिलों से आए श्रद्धालु सुबह से ही दर्शन और जलाभिषेक के लिए उमड़ पड़े। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा और भक्ति का अनूठा वातावरण देखने को मिला। शिवालय परिसर में विशाल महा भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। यह आयोजन बीते कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है। प्रारंभ में केवल जलाभिषेक और साधारण प्रसाद वितरण तक सीमित यह परंपरा अब एक बड़े धार्मिक उत्सव का रूप ले चुकी है। भक्तों के सहयोग से यह आयोजन अब विशाल जलाभिषेक, पूर्णाहुति और महा भंडारे जैसे भव्य स्वरूप में तब्दील हो चुका है। कौही ग्राम के साथ-साथ सुपेला, सेमरा, सिलघट और बोरेंदा गांवों के शिवभक्तों का इस आयोजन में विशेष योगदान रहा, जिन्होंने तन-मन-धन से सेवा कर आयोजन को सफल बनाया। इस धार्मिक अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी स्वंभू महादेव के दर्शन कर क्षेत्र की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, जनपद सदस्य रवि सिन्हा, दिनेश साहू, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, राजेश ठाकुर, चंद्रिका साहू, सुनीता यादव, सुरेंद्र वर्मा, होरीलाल देवांगन, मंदिर समिति अध्यक्ष योगेश्वर साहू, पूर्व जनपद सदस्य अशोक शर्मा, हेमलाल साहू, ग्राम पंचायत सरपंच लीना सुरेश साहू, उपसरपंच हेमलाल सोनकर, कामता प्रसाद साहू, मूलचंद साहू, संतोष साहू और मीडिया प्रभारी अभिषेक सेन सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

झीट गांव में विकास को नई रफ्तार, युवा सरपंच रूपेंद्र राजू साहू के नेतृत्व में भूमिपूजन कार्यक्रम

भाजपा नेता संजय बघेल बोले- झीट बनेगा विकास का मॉडल गांव

अमलेश्वर। ग्राम पंचायत झीट में शनिवार को लोधी समाज सामुदायिक भवन में किचन शेड निर्माण एवं व्यायामशाला के भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा नेता संजय बघेल ने कहा कि युवा सरपंच रूपेंद्र राजू साहू ग्राम के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार के सहयोग से झीट के लिए विशेष विकास योजना तैयार की जा रही है। सांसद विजय बघेल के मार्गदर्शन में गांव में विकास के कोई काम अधूरे नहीं रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि झीट जैसे गांव, जहां राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निवास करते हैं, ऐसे गांवों को मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति नीलम राजेश, जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, पूर्व जनपद अध्यक्ष हर्षा लोकमनी चंद्राकर, जनपद सदस्य सीता निषाद और रेखा अरविंद जोशी, सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक, राजेश चंद्राकर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल अन्य विशिष्टजनों में कैलाश यादव, धर्मेंद्र कौशिक (महामंत्री भाजपा), डॉ. घनश्याम कौशिक (पूर्व जनपद सदस्य), धर्मेंद्र सोनकर, राजकुमार सिंह ठाकुर, ओंकार कौशिक, कमलेश साहू, हेमराज 'गोलू' टंडन, शिवा साहू, सुनील शर्मा, रविकांत कौशिक, शुभम शर्मा, सुखदेव साहू, गायत्री साहू, रेवती सोनकर, डॉ. आलोक पाल, पार्षद राजू सोनकर, सरोज कुमार, विकास सोनी, अजीत ठाकुर, लवकुश चंद्राकर, सुनीता साहू, कुमलेश सिन्हा, आदित्य सिन्हा, धीरेंद्र कौशिक, फेरहा राम धीवर, नंदलाल वर्मा, अशोक निषाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में ग्राम पंचायत झीट के युवा सरपंच रूपेंद्र राजू साहू ने सभी अतिथियों और ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव के विकास के लिए वे लगातार कार्य करते रहेंगे और सभी वर्गों को साथ लेकर योजनाओं को ज़मीन पर उतारेंगे।

साल 2022 में आरोपी 371 किलो गांजा के साथ हुआ था अरेस्ट

नशे का कारोबार : आरोपी ने बनाई करोड़ों की प्रापर्टी, प्लॉट, घर, सोना सब होगा फ्रीज

- मुंबई सफेमा कोर्ट ने गांजा तस्करी के आरोपी की संपत्ति फ्रीज करने आदेश दिया

राजनांदगांव। गांजा तस्करी में गिरफ्तार किए गए आरोपी के खिलाफबड़ी कार्रवाई की गई है। आरोपी की तकरीबन 4 करोड़ रूपए की प्रापर्टी को फ्रीज करने का आदेश सफेमा कोर्ट मुंबई ने दिया है। यह प्रदेश में एक मामले को लेकर बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

आरोपी गांजा तस्करी के मामले में आदतन था, इसे लेकर ही राजनांदगांव पुलिस ने आरोपी की संपत्ति की जानकारी लेकर उसे भी फ्रीज कराने की कार्रवाई अग्रेसित की थी। जिस पर निर्णय लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साल 2022 में तुलसीपुर में रहने वाले पुखराज चंदेल को 371 किलो गांजा के साथ अरेस्ट किया गया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पुखराज की प्रापर्टी का पता लगाया, इसके बाद रिपोर्ट बनाकर सफेमा कोर्ट मुंबई ब्यौरा भेजा गया। इस पर आदेश हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने अनुसार आरोपी के 16 प्लॉट, एक मकान, 500 ग्राम सोना, 7 बैंक अकाउंट, साढ़े बारह लाख नगद को फ्रीज करने कहा गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पुखराज काफी समय से नशे के अवैध कारोबार से जुड़ा हुआ था, उस पर और भी कार्रवाई की गई थी। इसलिए उसे आदतन मानते हुए उसकी प्रापर्टी को लेकर भी जांच की गई, जिसके बाद जो जानकारी सामने आइ, उसे मुंबई कोर्ट को भेजा गया। उसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

नशे के कारोबार पर लगातार कार्रवाई

राजनांदगांव पुलिस नशे के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने लगातार कार्रवाई कर रही है। हाल ही पुलिस ने महिला को डेढ़ लाख के गांजा के साथ गिरफ्तार किया। इसके पहले तीन आरोपियों को नशीली दवाओं के साथ अरेस्ट किया गया था। इनके चैनल को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है।

कोर्ट का आदेश हुआ है

पूर्व में गांजा तस्करी पर कार्रवाई की गई थी, अरेस्ट आरोपी के प्रापर्टी का ब्यौरा भी प्रेषित किया गया था। इसके बाद अब सफेमा कोर्ट मुंबई से फ्रीज करने की कार्रवाई करने का आदेश हुआ है। नशे के कारोबारियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

-मोहित गर्ग, पुलिस अधीक्षक

इंजीनियर बताकर शादी का प्रस्ताव, एक्सीडेंट होना कहकर ठगे 7 लाख, गिरफ्तार

मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का, आरोपी बिलासपुर जिले का

राजनांदगांव। सोशल मीडिया के माध्यम से युवक-युवती की पहचान हुई, युवक ने खुद को पीडब्ल्यूडी विभाग में सिविल इंजीनियर बताया। इसके बाद युवती से शादी का प्रस्ताव रखा और उससे 7 लाख 35 हजार रुपए ठग लिए। मामले को खुलासा हुआ तो पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का है। एरिया में रहने वाली युवती का परिचय सोशल मीडिया से ग्राम ढनढन जिला बिलासपुर के रहने वाले जय प्रकाश पिता राजकुमार बघेल से हुई। दोनों में बातचीत होने लगे, इस दौरान आरोपी जय ने खुद को सिविल इंजीनियर बताया। बाकायदा वह शादी का प्रस्ताव लेकर युवती के घर गया, बात पक्की भी हो गई। इसी बीच आरोपी ने खुद का एक्सीडेंट होने की जानकारी दी, इसके एवज में उसने 7 लाख 35 हजार रुपए ले लिए। इसके बाद प्रार्थिया को धोखाधड़ी होने का पता चला तो उसने मामले की शिकायत पुलिस से की। इस पर जांच की गई और पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर ज्यूडिशल रिमांड पर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ रायपुर पुरानी बस्ती थाना में भी अपराध कायम होना बताया गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com